mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-296 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
27 अक्टूबर 2024 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

न्यूजीलैंड के खिलाफ...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

क्रिप्टोकरेंसी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के लिए बहुत बड़ा जोखिम

मुंबई (एजेंसी)। क्रिप्टोकरेंसी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी और मॉनेटरी स्टेबिलिटी के लिए बहुत बड़ा जोखिम है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा – मैं वास्तव में इस राय का हूं कि यह ऐसी चीज है जिसे फाइनेंशियल सिस्टम पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह बैंकिंग प्रणाली के लिए भी जोखिम पैदा करता है। यह ऐसी स्थिति भी पैदा कर सकता है जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति से नियंत्रण खो सकता है। यदि केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति से नियंत्रण खो दे तो बैंकिंग सिस्टम में उपलब्ध लिक्विडिटी की जांच कैसे करेगा।

दिल्ली में स्कूल के बाहर आतंकी पन्नू ने लिखवाए नारे

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस ने दिल्ली के व्हाइट लीफ पब्लिक स्कूल में प्रधानमंत्री मोदी और कनाडा के पूर्व उच्चायुक्त संजय वर्मा के खिलाफ नारे लिखे हैं। आतंकी पन्नू ने एक वीडियो जारी कर कहा कि नारे उसने लिखवाए हैं। इसमें पीएम और वर्मा को हिंदू आतंकवादी कहा है। आतंकी

पन्नू का यह रिएक्शन वर्मा के एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू के बाद आया है। जिसमें वर्मा ने कहा था कि कनाडा ने भारत को धोखा दिया। कनाडा की राजनीति में खालिस्तानी आतंकियों का असर है। निज्जर की हत्या के आरोप भी राजनीति से प्रेरित हैं। पन्नू ने वीडियो में वर्मा को चेतावनी भी दी है। वह खालिस्तान समर्थकों की निगरानी में हैं।

भाजपा ने महाराष्ट्र के लिए जारी की स्टार कैंपेनर्स की लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने महाराष्ट्र चुनाव के लिए स्टार कैंपेनर्स की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में कई बड़े नाम शामिल हैं। इन नामों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अमित शाह जैसे दिग्गज नेताओं के नाम

शामिल हैं। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। भाजपा की स्टार लिस्ट में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंह के नाम भी शामिल हैं। भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में 40 नाम शामिल हैं।

'बटेंगे तो कटेंगे' सीएम योगी के बयान को संघ का समर्थन

मथुरा में दत्तात्रेय बोले-बहुत जल्द सुलझेगा मथुरा का मामला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान का आरएसएस ने समर्थन किया है। जिसमें सीएम योगी ने एक जनसभा के दौरान कहा था कि बटेंगे तो कटेंगे। योगी के इस बयान के बाद विपक्षी दलों ने आलोचना की थी। हालांकि, अब योगी के इस बयान का आरएसएस ने समर्थन किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि बयान का मतलब एकता लाना जरूरी है। हिंदू एकता लोक कल्याण के लिए आवश्यक है। हिंदू को तोड़ने के लिए लोग काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने मथुरा मामले पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मथुरा का मामला अब न्यायालय में है और हमें उम्मीद है कि न्यायालय इसे जल्दी सुलझाएगा। जिस तरह अयोध्या मामले का निपटारा हुआ, हर मामले को उसी तरह से सुलझाना जरूरी नहीं हैज्हमें न्यायपालिका पर भरोसा रखना चाहिए, यह मुद्दा अभी भी चल रहा है और लोग अपनी आवाज उठा रहे हैं। अगस्त में आगरा में बोलते हुए आदित्यनाथ ने बांग्लादेश में अशांति का जिक्र करते हुए राष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था कि बटेंगे तो कटेंगेज्एक रहेंगे तो नेक रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं है। हमारी ताकत हमारी एकता में निहित है।

इजराइल का 'बम' वार

ईरान का आसमान किया धुआं-धुआं

● 100 मिसाइलों से बोला भीषण हमला, 20 ठिकाने कर दिए हैं तबाह ● दो सैनिकों की मौत, मिसाइल फैक्ट्रियों-सैन्य अड्डे को बनाया निशाना

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने ईरान के हमलों के जवाब में 25 दिन बाद शनिवार तड़के पलटवार किया। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक 3 घंटे में 20 ठिकानों पर हमले किए गए। इनमें मिसाइल फैक्ट्री

और सैन्य अड्डे शामिल हैं। तेहरान के इमाम खुमैनी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास भी हमला हुआ है।

हमले स्थानीय समयानुसार देर रात 2.15 बजे शुरू हुए और तड़के 5 बजे तक जारी रहे। यरुशलम पोस्ट के मुताबिक इजराइल ने ईरान पर हमला करने के लिए 100 से ज्यादा फाइटर जेट्स का इस्तेमाल किया। हमले में एफ-35 का भी इस्तेमाल किया गया। सीरिया में रडार ठिकानों

पर इजराइल ने शुरुआती हमला किया। इसके बाद ईरान में एयर डिफेंस सिस्टम और रडार पर हमला किया गया।

इजराइल डिफेंस फोर्स ने रात में 2.30 बजे इसकी जानकारी दी। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा- 1 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले के जवाब में यह कार्रवाई की गई है। ईरान और मिडिल ईस्ट में उसके सहयोगी 7 अक्टूबर 2023 से 7 मोर्चों पर हम पर हमले कर रहे हैं। हमें भी जवाब देने का हक है। अपनी रक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा वह करेंगे। हमले के बाद ईरान ने अपने एयरस्पेस बंद कर दिए हैं।

एक हुए बृजभूषण सिंह और बबीता फोगाट के सुर

एक ने बजरंग तो एक ने साक्षी मलिक के पति को ठहराया 'दोषी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कुछ युवा रेसलर शुक्रवार को खेल मंत्री मनसुख मांडविया के घर के बाहर पहुंचे थे। इन खिलाड़ियों की मांग थी कि वह वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेना चाहते हैं जिससे रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने नाम वापस ले लिया था। खेल मंत्रालय ने खिलाड़ियों को भेजने का फैसला किया। इसके बाद रेसलर बबीता फोगाट और फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने इसे साजिश का नाम दिया है। फेडरेशन के चैंपियनशिप से हटने के फैसले के बाद बजरंग पूनिया ने गंभीर आरोप लगाया था। खेल मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद बबीता ने फोगाट ने ट्वीट किया और बजरंग को ही इसका कारण बता दिया। बबीता ने एक्स पर लिखा, '28 अक्टूबर से शुरू होने वाली विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में खेल मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा भारतीय टीम को विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भेजने का फैसला अत्यंत सुखदाई है। कुश्ती जैसे पवित्र खेल जो हरियाणा की शान है और देश की जान है को कुछ लोगों ने उसकी गरिमा को धूमिल किया।

ज्ञानवापी के पूरे परिसर का अभी नहीं होगा सर्वे

● कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका की खारिज, वकील बोले-हाईकोर्ट जाएंगे

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में ज्ञानवापी के पूरे परिसर का सर्वे नहीं होगा। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शुक्रवार को इससे जुड़ी हिंदू पक्ष की याचिका खारिज कर दी। हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि मुख्य गुंबद के नीचे 100 फीट

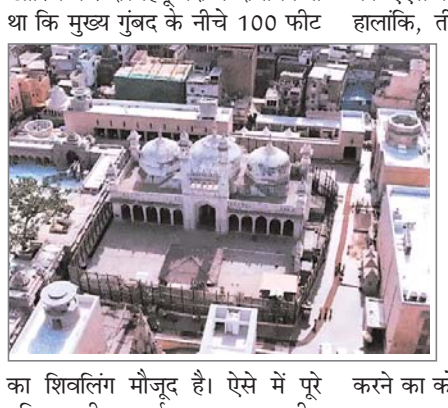

का शिवलिंग मौजूद है। ऐसे में पूरे परिसर की खुदाई कराकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से सर्वे कराया जाए। हिंदू पक्ष के वकील जय शंकर रस्तोगी ने बताया कि हम इस मामले को लेकर अब हाईकोर्ट जाएंगे। एक अन्य वकील मदन मोहन ने बताया, वजू खाना और एएसआई सर्वे कराने की मांग पहले से ही हाईकोर्ट में लंबित है। उसके विरोधाभास में जिला कोर्ट कोई आदेश नहीं दे सकती थी। शायद इस वजह से यह याचिका खारिज कर दी गई है। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 1991 में दायर याचिका पर फैसला सुनाया। इसे 33 साल पहले स्वयंभू ज्योतिर्लिंग की ओर से पं. सोमनाथ व्यास, डॉ. रामरंग शर्मा और पं. हरिहर नाथ पांडेय ने पूरे परिसर की एएसआई सर्वे की मांग उठाई थी। हालांकि, तीनों की मौत हो चुकी है। अब वादी वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी हैं। पूरे परिसर के सर्वे मांग वाली याचिका पर 8 महीने से फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई चली। इस दौरान मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने दलील दी थी कि जब ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वेक्षण एक बार पहले हो चुका है, तो दूसरा सर्वेक्षण करने का कोई औचित्य नहीं है।

पंजाब के 4 हाईवे अनिश्चितकाल के लिए हुए बंद

किसान बोले-

लिफ्टिंग शुरू होने तक नहीं खुलेंगे रास्ते, इमरजेंसी सेवाएं रहेंगी जारी

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में धान की लिफ्टिंग ना होने से खफा किसानों ने शनिवार को राज्य के 4 हाईवे बंद कर दिए हैं। किसान 1 बजे सड़कों पर बैठ गए। ये प्रदर्शन तब तक जारी रहेगी, जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती। उनका कहना है कि केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही उनकी मांगों की तरफ ध्यान नहीं दे

रहीं। किसान मजदूर मोर्चा और किसान संयुक्त मोर्चा नॉन (पॉलिटिकल) जॉइंट फोरम के नेता सरवन सिंह पंधेर ने बताया कि आज 1 बजे के बाद से पंजाब के 4 हाईवे जाम किए गए हैं। 1 बजे के बाद आवाजाही को बंद कर दिया गया। पंधेर ने कहा कि फूड सप्लाई मंत्री के साथ शैलरों की बैठक हुई थी। शैलरों की मांग थी कि धान में से कम चावल निकलता है और उन्हें 2-3 किलो की अधिक छूट दी जाए।

साइक्लोन 'दाना' से पश्चिम बंगाल में 4 लोगों की मौत

ओडिशा में 1.75 लाख एकड़ में फसल हुई बर्बाद

भुवनेश्वर (एजेंसी)। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक बंगाल की खाड़ी से उठा साइक्लोन 'दाना' शनिवार रात तक पूरी तरह बेअसर हो जाएगा। तूफान के चलते पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान, दक्षिण 24 परगना, कोलकाता और हावड़ा में 4 लोगों की मौत हो गई है। ओडिशा में किसी की जान नहीं गई, लेकिन बारिश और तूफान से 1.75 लाख हेक्टेयर इलाके में फसल बर्बाद हो गई है। ओडिशा के सीएम मोहन चरण मांझी ने बताया कि तूफान से पहले 8 लाख लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया था। दाना का असर आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में भी पड़ा। बिहार और झारखंड में बारिश जारी है। झारखंड में तापमान 6 डिग्री गिर गया है। अगले 24 घंटे तक बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ में बारिश का अनुमान है। पेड़-बिजली के खंभे उखड़े, बिहार-झारखंड में भी बारिश ओडिशा में सबसे ज्यादा नुकसान केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर जिलों में हुआ है। तेज हवा से कई पेड़ उखड़ गए। बिजली के खंभे टूट गए हैं। इससे कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। तूफान के चलते नजदीकी राज्यों झारखंड, बिहार में भी बारिश हो रही है।

कुम्हार बस्ती के बाद अब राहुल गांधी पहुंचे सैलून

● कांग्रेस नेता ने वीडियो शेयर कर लिखा-कुछ नहीं बचता है

● ये शब्द आज देश के हर गरीब-मिडिल क्लास की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे दिल्ली के एक सैलून पर पहुंचे। वे यहां शेविंग करवाते नजर आ रहे हैं। वीडियो के साथ राहुल ने लिखा- कुछ नहीं बचता है आज के भारत के हर मेहनतकश गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति की कहानी बयां करते हैं। यह सैलून अजीत चलाते हैं। उन्होंने राहुल को बताया कि कैसे वे

दिनभर काम करते हैं ताकि दिन के आखिर में कुछ पैसे बचा सकें। अजीत ने यह भी कहा कि राहुल से अपनी कहानी बताने के बाद उन्हें खुशी और संतुष्टि महसूस हुई। अजीत ने राहुल से कहा- कांग्रेस के राज में सुकून था अजीत राहुल से कह रहे हैं- पहले सोचा था आगे भविष्य हमारा अच्छा होगा, लेकिन यहीं के यहीं रह गए।

वायनाड की जनता को प्रियंका गांधी ने लिखा भावुक पत्र

वायनाड़ (एजेंसी)। वायनाड लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाया है। प्रियंका ने नामांकन दाखिल कर दिया है और अब उन्होंने वायनाड की जनता के नाम पत्र लिखा है। कांग्रेस

महासचिव प्रियंका गांधी ने जनता के प्रति अपनी प्रशंसा और प्रतिबद्धता व्यक्त की है। चूरामला और मुंडक्कई की अपनी यात्रा पर विचार करते हुए उन्होंने भूस्खलन के विनाशकारी प्रभाव और त्रासदी के सामने लोगों द्वारा बांटे गए अनुभव भी शेयर किए।

मुआवजे के लिए पीड़ितों ने किया है क्लेम ट्रिब्यूनल का रुख

ज्यादा मुआवजा चाहते हैं बालासोर रेल हादसे के 'पीड़ित'

215 लोगों के मामलों में रेलवे ने मांगा 'उपस्थिति' का सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल जून 2023 में ओडिशा के बालासोर में एक भयानक रेल हादसा हुआ था। इस रेल हादसे में 297 लोग मारे गए थे और 800 से अधिक लोग घायल हुए थे। हालांकि पीड़ितों के परिजन अभी भी मुआवजे के लिए परेशान हैं। सैकड़ो पीड़ितों ने रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल का रुख किया है। रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल के सामने अधिक मुआवजे के लिए 841 याचिकाएं दायर की गई है। रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल में पीड़ित परिजन अधिक मुआवजे के लिए याचिका दायर करते हैं। परिवारों का प्रतिनिधित्व वकीलों द्वारा किया जाता है। रिकॉर्ड को पढ़ा और इसमें पता चला कि मुआवजे के लिए अधिकतम राशि पश्चिम बंगाल के

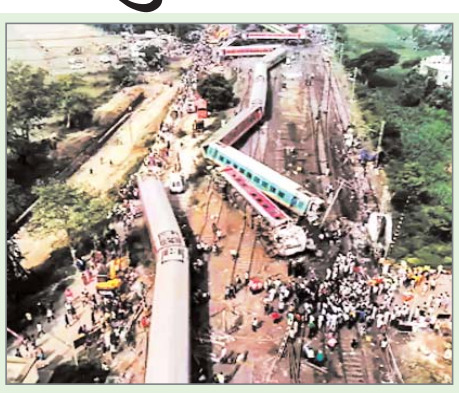

निवासी को दी गई। इस हादसे में उसके लेफ्ट हैंड की कलाई जल गई थी और उसका दाहिना हाथ फैक्चर हो गया था। नियम के अनुसार उसे 2 लाख रुपये का मुआवजा मिलना था लेकिन उसे 5.4 लाख रुपये मिला। वहीं तीन मामलों में अनुग्रह राशि से केवल 10 हजार रुपये अधिक मुआवजा दिया गया।

वहीं रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल ने मौतों के 183 मामले में हर एक परिजन को 8 लाख रुपये का अतिरिक्त मुआवजा दिया है। इन परिवारों ने कहा था कि जिनकी मृत्यु हुई है, वह परिवार में एकमात्र कमाने वाले थे। वहीं

मौत से जुड़े 9 मामलों में अभी याचिका लंबित है। इसमें कोलकाता के 4, पटना के तीन और रांची के दो मामले शामिल हैं। वहीं कोलकाता के एक मामले को खारिज कर दिया गया।

जब यह हादसा हुआ तो दौरान रेलवे ने मारे गए लोगों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल और विकलांगों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 50 हजार के मुआवजे का ऐलान किया था। हादसे के 16 महीना में 1102 यात्रियों में से 76त्न लोगों ने बेहतर राहत के लिए कोलकाता, भुवनेश्वर, रांची, पटना, चेन्नई और भोपाल में रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल का रुख किया है।

संक्षिप्त समाचार

पैथोलॉजी लैब और कलेक्शन सेंटर के संचालन में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के प्रमुख सचिव ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग श्री संदीप यादव ने निर्देश दिए हैं कि निजी पैथोलॉजी लैब का संचालन केवल योग्यताधारी पैथोलॉजिस्ट द्वारा ही सुनिश्चित किया जाए, जो मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1987 की धारा 13 और 24 के तहत आवश्यक अर्हताओं को पूर्ण करते हों। कोई भी निजी प्रयोगशाला केवल तकनीशियन द्वारा संचालित नहीं की जा सकती। प्रयोगशाला तकनीशियन केवल उसी लैब में कार्य कर सकते हैं जो योग्यताधारी पैथोलॉजिस्ट द्वारा संचालित अथवा पर्यवेक्षित हो। प्रमुख सचिव श्री यादव ने प्रदेश के निजी पैथोलॉजी लैब और कलेक्शन सेंटर के संचालन में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। ताकि आमजन को समुचित एवं गुणवत्तापूर्ण जांच रिपोर्ट उपलब्ध हों। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री यादव ने निर्देश दिये हैं कि प्रदेश के सभी निजी पैथोलॉजिस्ट को 15 दिनों के भीतर उन पैथोलॉजी लैब्स की सूची और अपने उपस्थिति समय की जानकारी, जिसमें वे सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, अपने जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रस्तुत करनी होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे समय-समय पर इन लैब्स का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि इनका संचालन योग्यताधारी पैथोलॉजिस्ट की निगरानी में हो रहा है। साथ ही, लैब्स में आवश्यक नैदानिक सेवाओं के उपकरण और अनुमतियाँ मौजूद हों। उल्लेखनीय है कि योग्यताधारी निजी पैथोलॉजिस्ट यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी जांचें उनकी सीधी निगरानी में हो रही हैं, केवल एक अतिरिक्त लैब में सेवाएं दे सकते हैं। ऐसे पैथोलॉजिस्ट, जो स्वयं की प्रयोगशाला नहीं चलाते हैं, वे जिले में अधिकतम दो लैब में ही विजिटिंग पैथोलॉजिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

बच्चों की बौद्धिक क्षमता विकास के लिये किया गया हर प्रयास देगा बेहतर परिणाम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि नित नये नवाचारों से बच्चों की बौद्धिक क्षमता के विकास के लिये किया गया हर प्रयास उनके भविष्य के लिये लाभदायक सिद्ध होगा। साथ ही इसके परिणाम भी सुखद होंगे। सुश्री भूरिया शुक्रवार को झाबुआ में आंगनवाड़ी केन्द्र में मोंटेसरी किट वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जिले की बालिकाओं को कौशल विकास के माध्यम से फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण देकर रोजगार की अनन्य सम्भावनाएं उत्पन्न की जा सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णयानुसार 12 हजार 670 मिनी आंगनवाडियों को पूर्ण आंगनवाड़ी का दर्जा दिया जायेगा। यह निर्णय इतने वृहद स्तर पर म.प्र. में पहली बार हुआ है, इसमें झाबुआ जिले के 800 से अधिक मिनी आंगनवाड़ियो को लाभ होगा। हम निरन्तर इसी प्रकार मिलकर कार्य कर विभाग को नई ऊंचाई तक ले जायेंगे, जिससे मध्यप्रदेश देश के लिए प्रेरणा बने। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि सम्पूर्ण प्रदेश मे झाबुआ यह पहल करने वाला पहला जिला है। मोंटेसरी किट में प्लास्टिक के स्थान पर लकड़ी के खिलौने शामिल किये गये है। शिशु विशेषज्ञो द्वारा भी इस प्रकार की किट को प्रोत्साहन दिया जाता है, क्योंकि अध्ययन से पता चला है कि इससे बच्चों की मोटर स्किल्स बढ़ती है। मोंटेसरी किट मे लकड़ी से निर्मित वुडन पजल, शिक्षण खिलौने, अबेसकस, ऑल- इन- वन बुक, विभिन्न प्रकार के चार्ट सामान दिया गया है।

लोक निर्माण मंत्री सिंह ने किया आभार व्यक्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के आग्रह पर केंद्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने लखनादौन-रायपुर 4-लेन मार्ग से जबलपुर को जोड़ने की सहमति प्रदान कर दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय से जबलपुर सहित संपूर्ण महाकौशल क्षेत्र को विकास की एक नई दिशा मिलेगी। प्रस्तावित योजना के अनुसार लखनादौन-रायपुर 4-लेन मार्ग में मंडला के समीप जबलपुर को एक कनेक्टिविटी पाइंट से जोड़ा जाएगा। इससे जबलपुर और रायपुर के बीच आवागमन और अधिक सुगम होगा, जिससे व्यापार, पर्यटन, और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। यह कनेक्टिविटी जबलपुर के निवासियों और व्यापारियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगी, इससे यात्रा का समय कम होगा और व्यवसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना से महाकौशल क्षेत्र में पर्यटन को भी एक नई दिशा मिलेगी, जिससे क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों की ओर पर्यटकों का आकर्षण बढ़ेगा। पर्यटन के बढ़ने से स्थानीय व्यवसाय और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे जिससे क्षेत्र की समग्र अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू हो जाए, यह सुनिश्चित करें-मुख्य सचिव जैन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने शुक्रवार को मंत्रालय में विभागाध्यक्षों, निगम- मंडलों के प्रबंध संचालकों के साथ बैठक कर विकसित मध्यप्रदेश बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री जैन ने अधिकारियों से कहा कि आप सभी सरकार के महत्वपूर्ण अंग हैं।

योजनाओं का क्रियान्वयन एवं नियमों का पालन कराना और उसके अच्छे परिणाम आए, उसकी जिम्मेदारी आपकी है। मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देशित किया कि 1 जनवरी 2025 तक सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू हो जाए यह सुनिश्चित करें। ई-ऑफिस से कार्य-प्रणाली में पारदर्शिता और गतिशीलता आयेगी। समय-सीमा में कार्य हो सकेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी तकनीक के साथ अपग्रेड रहे। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि विकसित मध्यप्रदेश बनाने के लिए आय के नये स्त्रोत तलाशें। प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए निवेशकों के साथ लगातार संपर्क करें और अपनी सक्रियता बनाएं रखें।

निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। श्री जैन ने न्यायालय में चल रहे प्रकरण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रसूति सहायता योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना सहित प्रदेश में संचालित हो रही अन्य योजनाओं के क्रियान्यवयन में आ रही समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए आपस में समन्वय एवं संवाद किया जाये। मुख्य सचिव श्री जैन ने सीएम हेल्पलाइन में आ रही शिकायतें और लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण करने और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अतंर्गत अभियान चलाकर किसानों की ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए। महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन एवं योजना के मूल उद्देश्यों की प्राप्ति, सुशासन, सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी, समय-सीमा में कार्यों का निष्पादन करना, कार्यों में पारदर्शिता, राजस्व वृद्दि के उपाय, मानव संसाधन प्रबंधन सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक वरिष्ठ अधिकारी श्री आलोक सिंह, श्री अविनाश लवानिया, श्री कुमार पुरुषोत्तम, श्री अभिजीत अग्रवाल, श्री चंद्रमौली शुक्ला, श्रीमती हर्षिका सिंह, श्रीमती प्रियंका दास ने विभागीय समस्या, नवाचार और योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी दी।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को प्राथमिकता से करें निराकृत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण श्री सौरभ सुमन ने विभागीय अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिये हैं। आयुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे।

आयुक्त पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण श्री सुमन ने अधिकारियों को छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिये कहा। मंत्रालय से की गई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रदेश के सभी जिलों के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के जिलाधिकारी सम्मिलित हुए।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग ने दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने खेल अकादमी के 2 होनहार खिलाड़ियों द्वारा 4 स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा खेल अकादमी के शूटर अपनी प्रतिभा से प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

भोपाल के गोरेगांव स्थित मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में स्कीट इवेंट के साथ 11वीं वेस्ट जोन शूटिंग चैम्पियनशिप शॉटगन का समापन हुआ। 20 से 25 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेल अकादमी के श्री नवनीत सिंह भदौरिया और ओष्मी श्रीवास्तव ने जूनियर एवं सीनियर वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2-2 स्वर्ण पदक सहित कुल 4 पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया।

दिव्यांगों के कल्याण के लिए सरकार तत्पर है, इनकी सेवा मेरा सौभाग्य-खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दिव्यांगों के कल्याण के लिए सरकार तत्पर है, दिव्यांगों की सेवा करना मेरा परम सौभाग्य है, इनकी सेवा भगवान की पूजा के समान है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह बात सागर जिले के जैसीनगर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय दिव्यांग शिविर में कही। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि दिव्यांगों की सेवा करने से जो आत्म-शांति मिलती है, वह मेरे लिए प्रार्थना के समान है। मध्यप्रदेश में दिव्यांग सेवा शिविर आयोजित कर उनको आवश्यकता अनुसार उपकरण, प्रमाण-पत्र वितरित किये जा रहे हैं। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि जैसीनगर में आंखों के उपचार के लिये बड़ा नेत्र शिविर लगाया जाएगा, जिसमें मोतियाबिंद सहित अन्य ऑपरेशन किए जाएंगे और मेरी तरफ से निःशुल्क चश्मा भी वितरित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र में आंखों की बीमारी से संबंधित व्यक्ति अपना पंजीयन करा लें, जिससे उनका परीक्षण किया जा सके। उन्होंने कहा कि दिव्यांग शिविर में आपकी आवश्यकता अनुसार पंजीयन किया जा रहा है। पंजीकृत लोगों को जो भी आवश्यकता होगी उसके अनुसार आवश्यक उपकरण आपको एक माह बाद इसी जगह पर प्रदान किए जाएंगे। आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं है। इस अवसर पर जन प्रतिनिधि, डॉक्टर एवं दिव्यांगजन मौजूद थे।

वायु प्रदूषण-जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त स्वास्थ्य, श्री तरुण राठी ने शीत ऋतु और आगामी त्योहारों के दृष्टिगत वायु एवं ध्वनि प्रदूषण-जनित बीमारियों के नियंत्रण एवं निदान के लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले को आवश्यक तैयारियाँ रखने के निर्देश दिये हैं। सभी स्वास्थ्य केंद्रों में ऑक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो, साथ ही नेब्युलाइज़र, वेंटिलेटर जैसे उपकरण उपलब्ध रहें। जनरल ओपीडी, मेडिसिन, शिशु रोग, श्वसन रोग, हृदय रोग, और न्यूरोलॉजी ओपीडी में आवश्यक दवाइयों और सुविधाओं का प्रबंध करने के लिए निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रदूषण से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का तत्काल समाधान हो सके। आयुक्त स्वास्थ्य ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे समीर ऐप का उपयोग कर अपने अधीनस्थ क्षेत्रों की वायु गुणवत्ता सूचकांक की जानकारी रखें। वायु प्रदूषण विशेष रूप से उन समुदायों को प्रभावित करता है, जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है या जो लम्बे समय तक प्रदूषित वायु के संपर्क में रहते हैं। इनमें पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएं, वृद्धजन, दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति, और बाहरी कार्यक्षेत्रों में कार्यरत लोग शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सुझाव दिया है कि ये लोग अधिक सतर्क रहें और प्रदूषण से बचने के लिए मास्क का उपयोग करें, विशेषकर सर्दियों के मौसम में जब वायु की घनत्व अधिक होती है और प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है। नागरिकों के लिए स्वास्थ्य संबंधी एडवाइजरी जारी की गई है। विभाग ने सलाह दी है कि अत्यधिक प्रदूषण के समय सुबह और देर रात में दौड़ना, जॉगिंग जैसे शारीरिक व्यायाम से बचें।

अब ब्यूटी पार्लर और साड़ी सेंटर से 20 हजार रूपये महीना कमाती हैं पूनम.....

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। हालात कितने ही बदतर क्यूं न हों, जिंदगी अपना रास्ता खुद ढूंढ ही लेती है। जिंदगी की यही तासीर ही इसे और भी रुहानी (जानदार) बनाती है। जैसे तपते रेगिस्तान में भी कोई एक नन्हा सा बीज हालातों से लड़कर अंकुरित हो ही जाता है। बहरहाल, बेइंतेहा बेचारगी और बेबस जिंदगी से लाचार पूनम को कहीं भी ठौर न मिला, तो वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के एक स्व-सहायता समूह से जुड़ गयीं। बस, यहीं से उसकी जिंदगी में उम्मीद का नया उजाला आने लगा। बुरे दिन फ़ना हुये और अच्छे दिनों की आमद हुई। नई ऊर्जा से सराबोर पूनम अब पूरी तरह स्वावलंबी हो गयी हैं। बुरहानपुर जिले के संग्रामपुर गांव में रहने वाली किसान दीदी पूनम महाजन का जीवन एक समय कठिन दौर से गुज़र रहा था। खेती-किसानी में उसका मन न लगता। पर उसे कहीं कोई राह दिखाई नहीं दे रही थी। रोजाना की चुनौतियों से जूझते हुए भी, पूनम ने कभी हार नहीं मानी। जब पूनम को कहीं कोई ठौर नहीं मिला, तो वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बनाये गये एक स्व-सहायता समूह से जुड़ गयीं। समूह से जुड़ना उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। मिशन का उद्देश्य ग्रामीण लोगों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना था। अब पूनम को यहां जिंदगी की नई राह दिखने लगी। पूनम बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले वे खेती-किसानी करती थीं। अब सिलाई-कढ़ाई के साथ-साथ ब्यूटी पार्लर का भी काम करती हैं। इसके अलावा साड़ी सेंटर भी चलाती हैं। वे बताती हैं समूह से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण दिया गया। ग्राहक पहचान फाइल (सीआइएफ) के तहत उसने 10 हजार रूपये से सिलाई का काम शुरू किया। इससे उसकी आमदनी बढ़ने लगी। अब वे हर महीना लगभग 15 से 20 हजार रूपये तक कमा लेती हैं। वे कहती हैं कि महिलाओं को सशक्त, आत्म-निर्भर बनाने के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है। महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है।

संडावता में मंत्री टेटवाल ने लॉन्च किया यूनिवर्सल सोशल एंगेजमेंट प्रोग्राम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शुक्रवार को राजगढ़ जिले के संडावता ग्राम में 'यूनिवर्सल सोशल एंगेजमेंट प्रोग्राम' का शुभारंभ किया गया, जिसमें कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और समग्र विकास की नई संभावनाओं को साकार करने का बीड़ा उठाया है। इस प्रोग्राम में पंचायत के सभी 18 वर्ष से ऊपर के युवाओं को, जिनकी आय 12,500 रुपये प्रति माह से कम है, उनकी प्रोफाइलिंग कर रोजगार से जोड़ने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, मछुआ कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह पवार, और तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास सचिव श्री राजेन्द्रन रघुराज ने इस कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया। मंत्री श्री टेटवाल ने बताया कि इस योजना के तहत युवाओं को उनके कौशल और रुचि के अनुसार विभिन्न प्रकार के रोजगार प्रशिक्षण दिए जाएंगे, जिससे वे स्थानीय और बाहरी बाजारों में बेहतर रोजगार के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकें। इस प्रयास से युवाओं को नए उद्योगों में भागीदारी के अवसर मिलेंगे और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मछुआ कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह पवार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'संपूर्ण विकास' के विजन को साकार करने के लिए इस योजना को एक सशक्त कदम बताया और मंत्री श्री टेटवाल की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं को न सिर्फ रोजगार प्रदान करेगी, बल्कि क्षेत्र के विकास में भी सहायक होगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

जिले में जारी है मिलावट के खिलाफ कार्यवाही

खाद्य विभाग की छापेमारी, मिलावटखोर व्यवसायियों में मचा हड़कंप

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। खाद्य विभाग की टीम द्वारा शहर के होटलों और डेयरी में लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है, जिससे मिलावटखोर व्यवसायियों में हड़कंप मचा हुआ है। आज शनिवार को न्यू बस स्टैंड तिराहा क्षेत्र में दो बड़े होटलों और कारखानों की जांच के लिए टीम ने दबिश दी।

छापेमारी का विवरण: टीम ने कारखानों में तैयार की जा रही मिठाइयों की गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान कुछ मिठाइयों में अपमिश्रण की आशंका के चलते उनके सेंपल लेकर राज्य स्तरीय प्रयोगशाला भोपाल में जांच के लिए भेजे गए। भानु काम्प्लेक्स स्थित श्री राजस्थान मिष्ठान भंडार से मगज लड्डू, चमचम, कुंदा खोवा, काजू कतली और सोन पापड़ी के नमूने लिए गए। इसके अलावा, साधू श्री काम्प्लेक्स में संचालित जयश्री राजस्थान मिष्ठान भंडार से खोवा, पेंड़ा, मगज लड्डू और चमचम के नमूने एकत्र किए गए।

सीधी संयुक्त टीम की कार्यवाही कलेक्टर द्वारा गठित संयुक्त टीम में नगर पालिका, खाद्य विभाग, राजस्व और खाद्य औषधि प्रशासन विभाग का अमला शामिल है। यह टीम दीपावली के त्यौहार तक शहर में लगातार छापामार कार्रवाई जारी रखेगी। टीम ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रयोगशाला जांच में अपमिश्रित खाद्य सामग्री पाई गई, तो संबंधित कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आगे की योजना: टीम द्वारा जिन बड़े प्रतिष्ठानों में छापेमारी की गई है, वहां भविष्य में फिर से छापामार कार्रवाई की जा सकती है। इसका उद्देश्य त्यौहारी सीजन में अपमिश्रित खाद्य सामग्री की बिक्री को रोकना है, जिससे उपभोक्ताओं की सेहत को सुरक्षित रखा जा सके। इस अभियान ने मिलावटखोरों के लिए एक चेतावनी का काम किया है कि खाद्य सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कई बार छोटी छोटी लापरवाही के चलते बड़ी दुर्घटनायें घटित हो जाती हैं, जिसे समय पर रोंक थाम कर टाला जा सकता है । इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत विद्यालयों में पहुॅच कर विद्यार्थियों को जागरूक किया जा रहा है, वहीं पुलिस द्वारा यात्री वाहन, विद्यार्थी वाहन एवं दो पहिया, तीन पहिया व चार पहिया वाहनो की सघन जॉच कर दोषियों के विरूद्ध विधिक कार्रवाई भी जारी है।

विगत दिवस 56 लापरवाह वाहन चालको के नगद 22300 रूपए समन शुल्क एवं पेडिंग 28 चालान जिसका समन शुल्क 27100 रूपये का बनाया गया। नियमो की अवहेलना करने वाले 84 वाहन चालको के विरूद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए 49400 रूपए का यातायात पुलिस द्वारा समन शुल्क बनाया गया।

सांसद राजेश मिश्रा बने कोयला एवं खान मंत्रालय के सदस्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कोयला और खान मंत्रालय के लिए परामर्शदात्री समिति का गठन किया हैं, जिसमे सीधी-सिंगरौली के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा को समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। सांसद डॉक्टर मिश्रा के सदस्य बनाए जाने पर पूरे लोकसभा संसदीय क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है।

कोयला एवं खान मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के सदस्य मनोनीत होने के पश्चात सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि इसके कारण विशेष रूप से सिंगरौली को विशेष लाभ प्राप्त होगा। इसके साथ ही भविष्य में सीधी जिले में भी कोयले की संभावनाए तलाशी जाएंगी और उसे पर भी कार्य होंगे। सदस्य नियुक्त होने पर लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी के प्रति आभार व्यापित करते हुए क्षेत्र की जनता जनार्दन को बधाई देते हुए आभार व्यापित किया है।

महाविद्यालय रामपुर नैकिन में एक व्यक्ति की कपडे उतरवाकर पिटाई करने का वीडियो हुआ वायरल

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के महाविद्यालय रामपुर नैकिन में आज एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति के शर्ट को उतरवा कर दो लोग पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके साथ एक लड़की भी है जिसे भी एक व्यक्ति के द्वारा पकड़ा गया है और बेल्ट और हाथ से उसकी पिटाई की जा रही है। जिसका महाविद्यालय के ही किसी छात्र ने वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया में इसे आज शुक्रवार के दिन वायरल कर दिया गया है।

दरअसल यह पूरा मामला शुक्रवार का है जहां दोपहर 1 बजे से महाविद्यालय रामपुर नैकिन में परीक्षा हो रही थी। जहां रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र अंतर्गत की रहने वाली लड़की परीक्षा देने के लिए आई हुई थी। जहां उसके ही रिश्तेदारी के रहने वाले लड़के के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़की के माता-पिता को पहले ही शक हुआ जिसके बाद लड़की के भाई और लड़की के पिता के द्वारा लड़की का पीछा किया गया। जहां दोनों को महाविद्यालय के छत पर एक दूसरे से बातें करते हुए पा लिया गया। जिसके बाद दोनों ने मिलकर लड़के के पहले शर्ट को उतरवाया और फिर पेंट को भी आधा उतरवा कर बेल्ट तथा हाथ से पिटाई कर दी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से सुर्खियां बटोर रहा है।

वही इस मामले में महाविद्यालय रामपुर नैकिन की प्राचार्य डॉक्टर केपी आजाद ने जानकारी देते हुए बताया है कि महाविद्यालय रामपुर नैकिन में पेपर चल रहे हैं। जहां प्राइवेट महाविद्यालय हत्था के बच्चे पेपर देने के लिए आए हुए थे। इसके बाद अचानक बाहर से दो लोग आए और इस लड़के की पिटाई करने लगे इसके बाद मैंने थाना रामपुर नैकिन में फोन लगाया। जहां पुलिसकर्मियों ने आकर मामले को शांत करवाया। इसके बाद दोनों पक्षों को थाने ले जाकर पूछताछ की जा रही थी।

वही इस संबंध में थाना प्रभारी रामपुर नैकिन निरीक्षक सुधांशु तिवारी ने बताया कि कॉलेज के प्राचार्य के द्वारा जानकारी देने पर तत्काल मेरी टीम मौके पर पहुंची थी और मार पीट करने वाले व्यक्तियों को थाने लाकर पूछताछ की गई। मामला लड़की और लड़के की प्रेम प्रसंग का था और दोनों आपस में रिश्तेदार थे जिसकी वजह से दोनों ने आवेदन नहीं दिया है। अगर दोनों व्यक्तियों मे से किसी के द्वारा थाने में आवेदन दिया जाएगा तो नियम अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परंपरा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शासकीय महाविद्यालय मड़वास में म.प्र. उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत "वृद्धजनों के प्रति युवाओं का दायित्व " विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति ने किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओ से कहा कि बृद्धजनो से हमे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हमेशा मार्गदर्शन मिलता हैं और बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परंपरा है । कार्यक्रम में शिक्षक धीरज नामदेव भी ऊपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परपंरा के नोडल डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया।

भाषण प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सात छात्र/छात्राओ ने भाग लिया जिसमे प्रथम स्थान बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र पुष्पेंद्र कुमार गुप्ता को मिला द्वितीय स्थान छात्रा चंचल सेन को मिला तृतीय स्थान छात्रा काजल तिवारी को प्राप्त हुआ। भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा, डॉ. निशा सिंह एवं डॉ. संध्या वर्मा ऊपस्थित थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के डॉ. संगीता मिश्रा ,डॉ. कमलेश जायसवाल, डॉ. ज्योति रजक,डॉ. अनुराग तिवारी,डॉ. सौरभी गुप्ता, डॉ. पंकज मिश्रा, डॉ. अमिता खरे, प्रो.प्रवीण साकेत, डॉ. राजेश पटेल, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

समग्र ई-केवाईसी करते समय विशेष सावधानी बरतें

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी अंशुमन राज ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं की विभिन्न सेवाओं के लाभ प्राप्त करने के लिये समग्र ई केवाईसी (समग्र का आधार से लिंकिंग) अनिवार्य किया गया है। किन्तु जानकारी के आभाव में हितग्राहियों द्वारा स्वयं का समग्र, स्वयं के आधार से लिंक न कराया जाकर गलत आधार नम्बर से लिंक करा दिया जाता है। जिसे पंचायतध्वार्ड स्तर पर संबंधित अधिकारी द्वारा स्वीकृत भी कर दिया जाता है। जिसके फ्लस्वरूप हितग्राही को डी-लिंक हेतु अत्याधिक परेशान होना पड़ता है।

उन्होने अपील की है कि अपनी समग्र ई-केवाईसी करते समय अत्यन्त सावधानीपूर्वक सही जानकारी को जॉच कर ही अनुरोध करें।

धनतेरस और दीपावली की रौनक से बाजार हुआ गुलजार, बनारस की मूर्तियों की धूम

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। धनतेरस एवं दीपावली को लेकर दुकानें अभी से ही सज गई हैं। गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति से लेकर पटाखे, झालर, दीये से बाजार पट गए हैं। मंगलवार को धनतेरस एवं गुरूवार को होने वाली दीवाली को ले कर अभी से ही गणेश.लक्ष्मी की मूर्ति व अन्य समानो की खरीदारी भी शुरू हो गई है। लोगो के द्वारा घरों की साफ सफाई करने का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। हालांकि इस बार भी पर्यावरण के दृष्टिकोण से ईको फ्रेंडली बनाने की अपील विभिन्न संगठनों द्वारा की गई है। लेकिन दीपावली पर्व पर आतिशबाजी न हो, ऐसा कैसे संभव है। लोगों के इसी शौक को देखते हुए पटाखा कारोबारी भी नए.नए वैरायटी के पटाखे लेकर बाजार में आए हैं। जिला मुख्यालय में डीपी कॉम्पलेक्स के समीप उमंग बैग हाऊस के संचालक बृजेश जायसवाल ने चर्चा के दौरान बताया कि दीपावली का पावन पर्व मुख्यतः प्रथम पूज्य देव गणेश एवं माता लक्ष्मी के पूजन पर आधारित है। जिसको देखते हुए इस वर्ष बनारस से मूर्तिया मगवाई गयी हैं। हर वर्ग के उपभोक्ताओ को ध्यान में रखते हुए 10 रूपए से लेकर 2 हजार रूपए तक की लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां बाजार में उपलब्ध हैं। वहीं संस्थान में खरीदारों की भीड़ बढ़ रही है। लोग अभी से खरीदारी में व्यस्त हो गए हैं। जिससे दुकानों पर चहल.पहल बढ़ गई है। रूप शिखा आर्नामेंट से संचालक मुकेश उर्फ मिन्टू सोनी ने चर्चा के दौरान बताया कि इस वर्ष दीपावाली एवं धनतेरश के पावन पर्व पर खरीददारी पर निश्चित उपहार रखे गये हैं साथ ही बड़े उपभोक्ताओं के लिये चॉदी एवं सोने के सिक्के व अन्य आकर्षक उपहार उपलब्ध हैं। आपको बतादें कि व्यापारियों को बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष कारोबार बेहतर रहने की उम्मीद है। इस दिनों कपड़ा, सर्राफा, ऑटोमोबाइल, और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की जमकर बुकिंग हो रही है। शहर में बाइकों के शोरूमों पर 100 से अधिक अधिक बाइकों की बुकिंग धनतेरस के लिए अभी से हो चुकीं हैं। इसके अलावा सर्राफा बाजार में लोग धनतेरस पर ज्वैलरी खरीदने से पहले ही बुकिंग करा रहे हैं। जिसकों को देखते हुए सर्राफा बाजार में रौनक दिखाई दे रही है। इसके साथ ही दीपावली पर सजावटी सामानों, उपहारों और घर की सजावट से संबंधित वस्तुओं की मांग भी तेजी से बढ़ी है।

प्रधानमंत्री कालेज ऑफएक्सीलेंस की पुरुष टेबल टेनिस टीम संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बनी उपविजेता

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन के निर्देशानुसार मॉडल साइंस कॉलेज रीवा में संभाग स्तरीय पुरुष टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 25 अक्टूबर 2024 को किया गया। प्रतियोगिता में रीवा, सतना, सीधी एवं शहडोल जिले के खिलाडियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के मैच एक दूसरे के बीच खेले गए। सीधी टीम ने प्रथम मैच में सतना को पराजित किया, द्वितीय मैच में रीवा से पराजित होकर और तृतीय मैच में शहडोल से विजयी होकर उपविजेता बनी। रीवा की टीम तीनों मैच जीतकर विजेता बनी।

संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी से अंबुज सिंह व अतिरिक्त रूप में चंद्रकांत सिंह का चयन राज्य स्तरीय पुरुष टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए हुआ है जिसका आयोजन सागर में होगा। इन उपलब्धि पर शासकीय संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी के सिंह और क्रीडाधिकारी डॉ रविंद्र सिंह तथा महाविद्यालय के समस्त परिवार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

सेवा सहकारी समितियों की शासकीय उचित मूल्य दुकानों में व्यवस्था चरमराई

मीडिया ऑडीटर, जवा निप्र। सेवा सहकारी समितियों की शासकीय उचित मूल्य की दुकानों का संचालन समिति प्रबंधकों द्वारा सही तरीके से नहीं कराया जा रहा है, अनुविभागीय अधिकारी ने निरीक्षण में भारी अव्यवस्था को देखते हुए,इनका आवंटन निरस्त करने तथा नये सिरे आवंटन करने के आदेश दिए हैं बताया गया कि सेवा सहकारी समिति जवा की इटौरी, सेवा सहकारी समिति पटेहरा,भडरा, सेवा सहकारी समिति अतरैला की भिटौवा उचित मूल्य दुकानों का आवंटन किया जाना,इसी प्रकार शासकीय उचित मूल्य दुकान सितलहा जो कि अटैचमेन्ट में चल रही है। बताया गया कि इसके लिए विपणन, उत्पादक संसाधन, बहुप्रयोजन, महिला स्व सहायता समूह एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति, जो पात्र हो 29/10/2024 समय शाम 5 बजे तक अनुविभागीय कार्यालय जवा में शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालित करने हेतु आवेदन दे सकते है।

कांग्रेस द्वारा बिना अनुमति प्रदर्शन मामले में एक नामजद, अन्य पर मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज निप्र। जनपद पंचायत हनुमना के मैदान में 23 अक्टूबर को बिना अनुमति के कांग्रेस पार्टी द्वारा दिए गए धरना प्रदर्शन के मामले में हनुमना पुलिस ने एक नामजद सहित कई अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि 23 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी द्वारा विभिन्न समस्याओं को लेकर जनपद पंचायत हनुमन के मैदान में धरना प्रदर्शन दिया गया था। जनपद पंचायत के मैदान में धरना प्रदर्शन करने की अनुमति ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा नहीं ली गई थी।जिस पर पुलिस ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हनुमना के अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर सिंह सेगर सहित कई अन्य लोगों पर मामला दर्ज कर लिया हैं। बताया जाता हैं कि धरना प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए थे। अब पुलिस कराई गई वीडियो ग्राफी के हिसाब से धरना में शामिल हुए एक सैकड़ा कांग्रेस के पदाधिकारी सहित कार्यकर्ताओं को नामजद करेगी।

कृषि सखियों को दिया गया उन्नत कृषि तकनीकी का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत एकता सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र सीधी में कृषि सखियों हेतु उन्नत कृषि तकनीक विषय पर 24 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र सीधी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ शैलेंद्र सिंह गौतम द्वारा उन्नत कृषि तकनीक के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों के बारे में कृषि सखियों को प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण में कृषि सखियों को जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशक साथ ही बीज उपचार के बारे में प्रैक्टिकल भी कराया गया।

हनुमानगढ़ में कांग्रेस के आन्दोलन में शामिल हुये हजारों ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उप तहसील भवन हनुमानगढ़ मुख्य मार्ग से लगभग 5 किलोमीटर दूर असुविधा जनक जगह पर नव निर्माण कराये जाने के विरोध में शनिवार को हनुमानगढ़ पंचायत भवन के पास कॉंग्रेस पाटी द्वारा विशाल आन्दोलन आयोजित किया गया। जिसमें हजारो ग्रामींण एवं अन्नदाताओं ने अपनी उपस्थिती दर्ज करा कर शासन के जारी निर्णय का विरोध किया। इस दौरान जिला एवं प्रदेश के कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहें।

जिला किसान खेत मजदूर कांग्रेस कमेटी सीधी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल पाण्डेय ने विरोध प्रदर्शन एवं आम सभा को संबोधित करने के उपरांत मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि उप तहसील भवन हनुमानगढ़ का निर्माण कार्य मुख्य मार्ग से 05 किलोमीटर अन्दर बेलहा नाला के ऊपर कराया जा रहा है। उप तहसील हनुमानगढ़ अन्तर्गत रतवार से कुशमहर तक एवं पोड़ी से चंदरेह तक कुल 34 ग्राम पंचायत एवं 61 गांव के किसान खेत मजदूर एवं आम नागरिकों को वीरान जगह में जहाँ आने-जाने की सुविधा नही है आवागमन का कोई साधन नही है किसानों एवं आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जबकि हनुमानगढ़ मुख्य मार्ग से लगी मध्यप्रदेश शासन की शासकीय जमीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि मुख्य मार्ग के पास उप तहसील भवन हनुमानगढ़ का निर्माण कराया जाता हैं तो किसानों एवं आम नागरिकों को काफी सुविधा होगी। किसानों एवं आम नागरिकों के सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये उप तहसील हनुमानगढ़ के भवन का निर्माण कार्य मुख्य मार्ग के पास सुविधा जनक जगह पर कराया जाये।

रेत का अवैध परिवहन, तीन ट्रैक्टर जब्त

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। सोन नदी से हो रहे रेत के अवैध खनन पर खनिज विभाग ने शनिवार को एक बार फिर कार्रवाई की है। खनिज निरीक्षक प्रभात पट्टा ने बताया कि शनिवार को बाणगंगा मेन रोड पर रेत का अवैध परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर मिले। दोनों वाहनों को रोककर जब उनसे टीपी मांगी गई तो उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। जिसके बाद विभाग द्वारा कार्रवाई शुरू की गई।

खनिज विभाग द्वारा पकड़े गए ट्रैक्टर-ट्राली, वाहन ट्रैक्टर(एमपी65जेड़बी2521) और (एमपी18एबी7686) को सोहागपुर थाना में खड़ा कराया गया। इनके अलावा ग्राम नवलपुर के पास से एक बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्राली जिसका चेचिस नंबर (928014139372) को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते पकड़ा गया है। खनिज निरीक्षक ने बताया कि तीनों वाहनों में सोन नदी से रेत का अवैध खनन और परिवहन किया जा रहा था। विभाग की ओर से सोन नदी में अवैध खनन रोकने के लिए लगातार क्षेत्र में कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने की जरूरत नहीं

भारत की न्याय पालिका हमारे संविधान की मंशा के अनुरूप ही काम कर रही है तथा भारत का सर्वोच्च न्यायालय अमेरिका जैस नही है, जहां मामले दशकों तक लम्बित रहते है, हमारी ओर से दिन में जितने मामलों का निराकरण होता है उतने तो कई पश्चिमी देशों में एक वर्ष में भी नही दिया जाता, ये उद्गार भारत की न्याय व्यवस्था व न्याय में कथित विलम्ब के आरोप पर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने व्यक्त किए, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय जनता की अदालत है और उसे अपनी इस भूमिका का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कानून के अनुरूप करना चाहिए। उन्होंने न्याय पालिका से उस पर पक्षपात व न्याय संहिता के विपरीत काम करने के आरोपों पर अपना मन्तव्य व्यक्त किया। उन्होंने न्याय पालिका की प्रजतांत्र में अहम् भूमिका भी प्रतिपादित की। जस्टिस चंद्रचूड ने न्याय पालिका को स्पष्ट हिदायत दी कि उसे देश के सामने प्रतिपक्षी दल की भूमिका में कतई सामने नहीं आना है, क्योंकि न्याय पालिका ही वर्तमान प्रजातंत्र के तीन अंगों कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका में आज विश्वसनीय रही है तथा देश की जनता को सिर्फ और सिर्फ प्रजातंत्र के इसी अंग के प्रति विश्वास व निष्ठा शेष बची है। माननीय मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के इस दावे की सच्ची व ईमानदारी समीक्षा तो जनता के स्तर पर होगी, किंतु इसी बीच यह आरोप भी सच है कि देश की विभिन्न अदालतों में कई वर्षों से करोड़ों मामले लम्बित है इन अदालतों में सर्वोच्च न्यायालय भी शामिल है, यहां यह उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने मुकदमों के निराकरण को शीघ्र व निश्चित समयसीमा में करने को सही तो बताया था लेकिन इसे असंभव भी करार दिया था, क्योंकि उनका सरकार पर स्पष्ट आरोप था कि करोड़ों लम्बित मामलों को निपटाने के लिए पर्याप्त न्यायाधीश, न्यायालय और अमला नही है, जिसकी सरकार पूर्ति नही कर पा रही है, यदि पर्याप्त अदालतें, न्यायाधीश व अमला हो तो लम्बित मामले शीघ्र ही निपाटाए जा सकते है। न्याय पालिका के इस जवाब पर केन्द्र सरकार पूरी तरह मौन है। अब यह समझ से परे है कि सरकार की इस मामले में दिलचस्पी क्यों नही है?

यहां यह विचारणीय है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा सरकार पर पूरा ठीकरा फोडने के बजाए स्वयं उसे ही अपने स्तर पर इस दिशा में प्रयास किए जाने चाहिए और चूंकि सर्वोच्च न्यायालय देश के उच्च न्यायालयों से लेकर जिला स्तर तक की अदालतों के लिए मार्गदर्शक बिन्दू है, इसलिए सर्वोच्च न्यायालय को इस दिशा में आदर्श स्थापित करना चाहिए, फिर उसी का अनुसरण निचली अदालतें भी करेगी। फिर वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा करने वालों को आशा की कोई किरण नजर आएगी।

भारत-जर्मनी के निरंतर प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय सबन्ध वैसे नहीं हैं, जैसे भारत और फ्रांस के हैं, भारत और इज़रायल के हैं, भारत और जापान के हैं या फिर भारत और ऑस्ट्रेलिया के हैं। यही नहीं, भारत और जर्मनी के आपसी सबन्ध भारत और अमेरिका या भारत और इंग्लैंड जैसे भी नहीं हैं। इसलिए भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय रिश्तों को मज़बूत बनाना दोनों देशों के नेतृत्व के लिए बहुत जरूरी है। बहुचर्चित तानाशाह हिटलर की भूमि जर्मनी में भारत और भारतीयों की दिलचस्पी स्वाभाविक है।

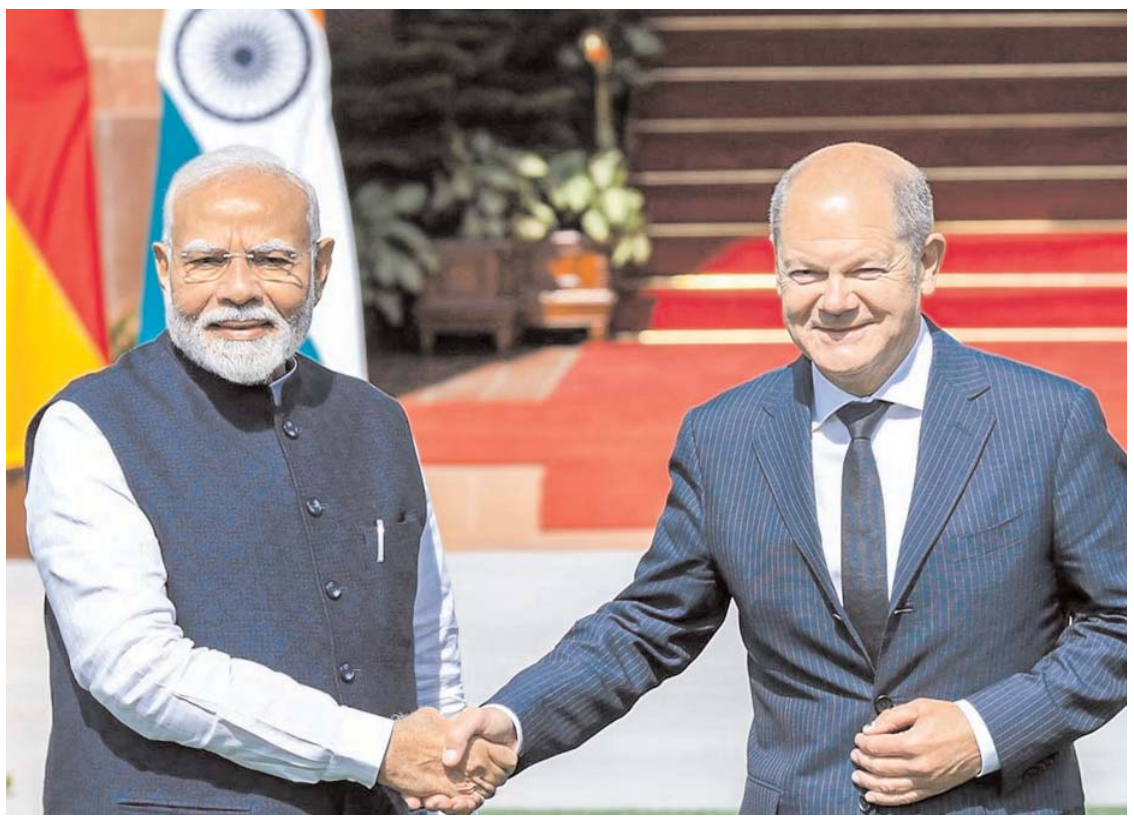

जर्मनी से भारत के प्रगाढ़ रिश्ते इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि पारस्परिक कारोबार बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को एक और दिलाजिज मित्र का साथ मिले, उसी तरह से जैसे कि फ्रांस देता आया है। हालांकि, गत दिनों भारत के दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और इंडिया के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जो रणनीतिक बातचीत हुई है, उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि जर्मनी का नेतृत्व भी वैश्विक नजाकत और जरूरत को देखते हुए भारत के प्रति अपने पुराने रुख में बदलाव ला रहा है, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। वास्तव में, फोकस ऑन इंडिया और लेबर स्ट्रैटिजी नाम से जारी दो जर्मन रिपोर्ट्स में इस बात का जिक्र किया जा चुका है कि जर्मनी में भारतीय मूल के ढाई लाख लोग हैं, जिनमें छात्र और स्किल्ड प्रोफेशनल्स शामिल हैं। हालिया वर्षों में यह संख्या दुगुनी हुई है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इसे समझा है और भारत के दौरे के क्रम में कहा भी है कि दुनिया में हमें मित्रों और सहयोगियों की आवश्यकता है- जैसे भारत और जर्मनी हैं। प्रिय मोदी जी, नई दिल्ली में स्नेहपूर्वक स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद। चूंकि जर्मनी में भारत से नजदीकी सम्बन्धों पर पार्टी लाइन से अलग सामूहिक राजनीतिक सोच सामने आई है। क्योंकि दोनों देशों के बीच माइग्रेशन रिश्तों की अहम कड़ी बनकर उभरा है। इसलिए दोनों देशों के बदलते और नव प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को समझने की जरूरत है। पहला, भारत और जर्मनी के बीच 18 डाक्यूमेंट्स पर साझा सहमति बनी है। जिसमें म्युचुअल लीगल असिस्टेंट इन क्रिमिनल मैटर्स, क्लासिफाइड इन्फॉर्मेशन, ग्रीन हाइड्रोजन रोड मैप, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर रोड मैप, श्रम और रोजगार, अडवांस मटीरियल्स में रिसर्च एंड डिवेलपमेंट को लेकर सहयोग, ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप, के साथ स्किल डिवेलपमेंट और वोकेशनल एडुकेशन एंड ट्रेनिंग में सहयोग सहमति बनी है, जिससे न सिर्फ दोनों देश लाभान्वित होंगे बल्कि समकालीन विश्व के देशों को भी इससे फायदा पहुंचेगा। क्योंकि भारत हमेशा तीसरी दुनिया के देशों यानी ग्लोबल साउथ की बात करता आया है। वहीं, भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह से यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को द्विपक्षीय चिंता का विषय बताया और वैश्विक संघर्षों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित राजनीतिक समाधान की वकालत की, उसका अपना कूटनीतिक महत्व है। वहीं, उनका यह कहना कि 20वीं सदी में स्थापित वैश्विक मंच 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए सुरक्षा परिषद सहित विभिन्न बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है। एक बात और, समसामयिक दुनिया जिस तरह से तनाव, संघर्ष और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, उसके दृष्टिगत भी हिन्द प्रशांत क्षेत्र में कानून के शासन और नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर गम्भीर चिंताएं हैं। ऐसे समय मे भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत सहारे के रूप में उभरी है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मनी से घोषित %फोकस ऑन इंडिया% रणनीति का स्वागत करते हुए कहा है कि, %मुझे खुशी है कि अपनी साझेदारी को विस्तार देने और बढ़ाने के लिए हम कई नई और महत्वपूर्ण पहल कर रहे हैं। क्रिटिकल और इमर्जिंग टेक्नॉलजी, स्किल डिवेलपमेंट और इनोवेशन पर सरकार की अप्रोच को लेकर सहमति बनी है। इससे एआई (‌ढ्ढ) सेमीकंडक्टर और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बल मिलेगा। वहीं, रक्षा क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। वहीं, पीएम ने गोपनीय सूचनाओं (क्लासिफाइड इन्फर्मेशन) पर सामने आए समझौतों को बेहद अहम बताया। जबकि साझा लीगल असिस्टेंट ट्रीटी को आतंकवादी और अलगाववादी तत्वों से निपटने की दिशा में अहम कदम करार दिया। साथ ही कहा कि ग्रीन और सस्टेनेबल ग्रोथ के साझा कमिटमेट पर दोनों देश लगातार काम कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप के दूसरे दौर पर सहमति बनाई है। दोनों देशों ने ग्रीन हाइड्रोजन रोडमैप भी लॉन्च किया। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मनी की कंपनियों को देश में आमंत्रित करते हुए ठीक ही कहा कि निवेश के लिए भारत से बेहतर कोई जगह नहीं है और देश की विकास गाथा का हिस्सा बनने का यह सही समय है। उन्होंने %एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस% के 18वें सम्मेलन में कहा कि विदेशी निवेशकों के लिए भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनना, %मेक इन इंडिया% और %मेक फॉर द वर्ल्ड% पहल में शामिल होने का यह %सही% समय है। जर्मनी ने भारत के कुशल वर्क फोर्स में जो विश्वास जताया है, वह अद्भुत है। इस यूरोपीय देश ने कुशल भारतीय वर्क फोर्स के लिए वीजा की संख्या 20,000 से बढ़ाकर 90,000 करने का निर्णय लिया है।

मोदी ने आगे यह भी कहा कि, भारत वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बन रहा है। यह आज डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिमांड और %डेटा% के मजबूत स्तंभों पर खड़ा है। भारत सड़कों और बंदरगाहों में रेकॉर्ड निवेश कर रहा है। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि जर्मन प्रतिनिधिमंडल को भारत की संस्कृति, भोजन और खरीदारी का भी आनंद लेना चाहिए। ताकि दोनों देश और उसके लोग एक दूसरे से भावनात्मक रूप से जुड़ सकें।

बकौल मोदी, भारत और जर्मनी के बीच वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर से अधिक है। जर्मनी की कई कंपनियां भारत में काम कर रही हैं, जबकि भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। वहीं, चांसलर शोल्ज ने प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में कहा कि हमारी सरकार भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (स्नञ्ज) की बातचीत में तेजी लाने की कोशिश कर रही है। अगर मिलकर काम करें तो यह काम महीनों में पूरा हो सकता है। हमारी सरकार ने हाल में कुशल भारतीय कर्मचारियों को जर्मनी बुलाने की रणनीति पर सहमति जताई है। इससे स्पष्ट है कि कारोबारी समझौते पर तेजी लाने की कोशिश में जर्मनी है, जो सराहनीय कहा जा सकता है। यह भारत के दूरगामी हित में है। यदि जर्मनी से हमारे सम्बन्ध फ्रांस की भांति प्रगाढ़ होते हैं तो इससे यूरोपीय संघ के साथ भारत के रिश्ते को जीवंतता मिलेगी और चीन व अरब देशों पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी पड़ेगा।

धर्मनिरपेक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के निहितार्थ

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो हालिया फैसलों में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या करते हुए इसे और मजबूती दी है। असल में धर्मनिरपेक्षता को लेकर संविधान-निर्माताओं का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सहिष्णुता, समानता एवं बंधुत्व भाव से था, लेकिन बाद में यह शब्द भ्रामक हो गया और इसने धर्म के अस्तित्व को ही नकार दिया। राजनेताओं ने अपने-अपने हितों को साधने के लिये इस धर्मनिरपेक्षता शब्द के वास्तविक अर्थ एवं भावना को ही धुंधला दिया। सर्वोच्च अदालत ने बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया और स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है। ध्यातव्य है कि 42वें संविधान संशोधन के बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया, लेकिन 'पन्थनिरपेक्ष' शब्द का प्रयोग भारतीय संविधान के किसी अन्य भाग में नहीं किया गया है। वैसे संविधान में कई ऐसे अनुच्छेद मौजूद हैं जिनके आधार पर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा जाता है क्योंकि भारत का संविधान देश के नागरिकों को यह विश्वास दिलाता है कि उनके साथ धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा। संविधान में भारतीय राज्य का कोई धर्म घोषित नहीं किया गया है और न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया गया है। इसका कारण भारत में अनेकों धर्म और सम्प्रदाय प्रचलित हैं। अत: संविधान निर्माताओं ने इसको धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में स्वीकार किया। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन् ने धर्म निरपेक्षता शब्द के व्यापक हार्द को स्पष्ट करते हुए कहा था- 'धर्मनिरपेक्ष होने का अर्थ अधर्मी होना अथवा संकुचित धार्मिकता पर चलना नहीं होता, वरन इसका अर्थ पूर्णत: आध्यात्मिक होना होता है। निरपेक्ष का अर्थ है कि राष्ट्र की ओर से किसी धर्म विशेष का प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा। सब धर्मों के प्रति समानता का व्यवहार किया जाएगा।' भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की यही विशेषता है कि इसमें किसी एक धर्म को मान्यता न देकर सभी धर्मों को समान नजर से देखा जाता है।

आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग इन दो फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई है। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा

यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया।

हाईकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं बल्कि उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की है। लेकिन यहां एक प्रश्न यह भी है कि क्या मदरसे मुख्यधारा में आने को तैयार है? क्या मदरसे एक धर्म-विशेष से जुड़ा मामला नहीं है? अदालत का यह मानना कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढाला जाना चाहिये, उचित एवं संविधान की मूल भावना के अनुरूप है।

जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या मदरसे अपने पाठ्यक्रम को संकीर्ण दायरों से बाहर निकाल कर व्यापक परिवेश में नया रूप दे पायेंगे? ऐसा होता है तो अदालत की सोच से भारत की एकता एवं अखण्डता को नयी ऊर्जा मिलेगी। फिर तो अदालत का दो टूक कहना कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंतत: इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा, सही है। भारतीय समाज में सदियों से फल-फूल रही गंगा-जमुनी संस्कृति के पोषण देने के लिये सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों को समानता से, बंधुत्व भावना से एवं उदारता से ही देखा जाना चाहिए।

आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया। तब के इसी धर्म-निरपेक्ष शब्द के कारण आज विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती, जिसका परिणाम यही है कि आज विद्यार्थियों का सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण नहीं हो रहा है। मैंने अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी के साथ विभिन्न राजनेताओं, धर्मगुरुओं, साहित्यकारों, पत्रकारों की इस शब्द को लेकर चर्चाओं में सहभागिता की। व्यापक सोच वाले आचार्य तुलसी का विश्वास रहा कि हिन्दुस्तान सम्प्रदाय निरपेक्ष होकर अपनी एकता को बनाए रख सकता है किन्तु धर्महीन होकर एकता को सुरक्षित नहीं रख सकता। लोकतंत्रीय राष्ट्र पर किसी सम्प्रदाय अथवा पंथ का आधिपत्य हो तो वह अपने लोकतंत्रीय स्वरूप को सुरक्षित नहीं रख सकता। इसलिए लोकतंत्रीय राष्ट्र का सम्प्रदाय अथवा पंथ-निरपेक्ष होना अनिवार्य है।

साम्प्रदायिक कट्टरता में सहिष्णुता नहीं होती है अत: राजनीति किसी सम्प्रदाय विशेष की अवधारणा से संचालित नहीं होनी चाहिए। इसलिये संविधान में धर्मनिरपेक्ष के स्थान पर सम्प्रदाय-निरपेक्ष, मजहब-निरपेक्ष अथवा पंथ-निरपेक्ष शब्द का प्रयोग होना चाहिए। सम्प्रदाय निरपेक्ष होने का तात्पर्य धर्मनिरपेक्ष, धर्महीन या धर्मविरोधी होना नहीं हैं।'

अवैध वसूली की शिकायत करने पर दुकान सील

निगमकर्मी पर दुकानदारों से वसूली का आरोप, कमिश्नर ने टीम भेजकर बंद कराई दुकान

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में व्यापारियों ने नगर निगम के सफाई सुपरवाइजर को अवैध वसूली करते हुए पकड़ लिया। वो कूड़ा उठाने के नाम पर वसूली कर रहा था। व्यापारियों ने जब उसे पकड़ा तो जमकर हंगामा किया। जिसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया गया।

जब निगम आयुक्त ने अतिक्रमण दस्ते को भेजकर दुकान को सील कराया, तो दुकान बंद कराने को लेकर व्यापारियों ने जमकर हंगामा किया। अवैध वसूली करने वाले कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। लेकिन, अफसरों ने उस पर कोई एक्शन नहीं लिया।

दरअसल, नगर निगम के स्वच्छता पर्यवेक्ष परवेज पिछले चार-पांच दिनों से सरकंडा क्षेत्र में व्यापारियों की दुकान के सामने जाकर फोटो-वीडियो बना रहा था। वो छोटे कारोबारियों को कचरा फैलाने की धमकी देकर एक-एक हजार रुपए का जुर्माना वसूलने की

धौंस दिखा रहा था। फिर 200-200 रुपए ले रहा था।

इसकी शिकायत पार्षद पति राजेश डुसेजा से की गई। शुक्रवार को भी लोगों ने उसे पैसा वसूलते पकड़ लिया। इसकी जानकारी पार्षद पति को दी गई। खबर मिलते ही वो मौके पर पहुंच गए। इस दौरान व्यापारियों ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

निगम कमिश्नर ने टीम भेजकर सील करा दी दुकान: बताया जा रहा है कि, कर्मचारी परवेज ने इसकी जानकारी नगर निगम के अफसरों को दी। जिसके बाद मामला नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार तक पहुंच गया। उन्होंने कचरा फैलाने वाले दुकानों को तत्काल सील करने के निर्देश दिए और टीम भेजकर कार्रवाई करने कहा।

इस दौरान, अतिक्रमण दस्ता प्रताप टाकिज चौक के पास चाय की दुकान पहुंच गया। यहां उन्होंने चाय की दुकान को कचरा फैलाने के नाम पर सील कर दिया।

व्यापारी बोले- कर्मचारी के खिलाफ हो कार्रवाई: इस दौरान आसपास के व्यापारियों की भीड़ जुट

गई। उन्होंने दुकान बंद कराने और सील करने का विरोध किया। नाराज व्यापारियों का कहना था कि, वो टैक्स पटा रहे हैं और यूजर चार्ज का भुगतान भी कर रहे हैं। इसके बाद भी दुकान में सामने डिस्पोजल पड़े होने पर अमला 1000-1000 रुपए का रसीद काटा जा रहा है।

व्यापारियों ने यह भी कहा कि, उन्होंने संस्थानों के सामने डस्टबीन लगा रखा है। ग्राहकों से डिस्पोजल और रैपर उसी में डालने कहते है। बाहर डालने पर वे खुद कचरे को उठाकर डस्टबीन में डालते हैं। व्यापारी ग्राहकों से लड़ नहीं सकते। वहीं, उन्होंने अवैध वसूली करने वाले कर्मचारी पर कार्रवाई करने की मांग भी की। लेकिन, अफसरों ने उनकी एक नहीं सुनी और दुकान को बंद करा दिया।

गौ-सेवक ने गायों को दी बर्थ-डे पार्टी

2000 किलो सब्जी-फलों को रंगोली की तरह सजाया, फिर 200 गायों को खिलाया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में गौ-सेवक ने अपने जन्मदिन पर गायों को पार्टी दी है। मनोहर गौशाला में 2000 किलो फल-सब्जियों को रंगोली की तरह सजाया, इसमें 9 घंटे का समय लगा। गौ-वंशों को विशेष फ्रूट और सलाद की अनोखी पार्टी दी गई, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

खैरागढ़ निवासी युवा कारोबारी चमन डाकलिया ने अपने जन्मदिन पर गौ सेवा करने का मैसेज दिया है। गायों के लिए पिकअप और ट्रक में सब्जी-फल लादकर लाए गए। फिर इन्हीं सब्जियों को सजाया गया, जिसे 200 गायों ने खाया। इसमें लागत करीब एक लाख रुपए आई है।

100 रोटियों से हुई शुरुआत: चमन ने बताया कि, मैं 9 साल से ऐसा कर रहा हूं। शुरुआत में मैंने 100 रोटियां बनाकर गायों को खिलाई थी। इसके बाद कभी गुड़ की रोटी और कभी लापसी तैयार करवाई। ड्राई फ्रूट की दावत भी गायों को दे चुका हूं। मनोहर गौ शाला की शुरुआत करने वाले पदम डाकलिया से इंस्पायर होकर हमने यह किया है।

इस गौ-शाला में है कामधेनू गाय: रायपुर से करीब 80 किलोमीटर दूर खैरागढ़ में एक अनोखा कामधेनु मंदिर है। यहां कामधेनु मंदिर में एक गाय है, जिसका नाम सौम्या है। सौम्या का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है, क्योंकि उसकी पूंछ 54 इंच लंबी है। इसे देखने दूर-दराज से लोग पहुंचते हैं।

सौम्या गाय के शरीर पर देवी-देवताओं के प्रतीक चिह्न: गौ-शाला के संचालक पदम डाकलिया बताते हैं कि, शास्त्रों में समुद्र मंथन का जिक्र मिलता है। उसमें जो गाय मिली वो कामधेनु गाय ही थी। खैरागढ़ में मौजूद सौम्या गाय के शरीर पर देवी-देवताओं के ऐसे कुछ प्रतीक चिह्न हैं, जिस कारण इन्हें लोग कामधेनु गाया मानते हैं। इनके पास लोग अपनी मनोकामना लेकर आते हैं। पदम इस गौ शाला में गोबर और गौ मूत्र के मेडिसिन वैल्यू पर रिसर्च कर प्रोडक्ट भी तैयार करते हैं।

21 होटल-डेयरी में खाद्य विभाग का छापा

दिवाली आते ही एक्टिव हुआ जिला प्रशासन का अमला, मिलावटी खोवे की आशंका पर लिया सैंपल

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में दीपावली त्योहार पर मिलावटखोरी रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग का अमला एक्टिव हो गया है। शनिवार को अलग-अलग टीम ने शहर के साथ ही जिले के 21 होटल और डेयरी शॉप में छापेमारी की। इस दौरान खोवा, मिठाई, पनीर के सैंपल लिए गए। जांच में मिलावट पाए जाने पर उनके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने का दावा भी किया गया है।

दरअसल, दिवाली पर्व के मद्देनजर कलेक्टर अवनीश शरण ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को लगातार मिठाई दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। ताकि त्योहारी सीजन में लोगों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री मिल सके। जिस पर फूड

इंस्पेक्टर मोहित बेहरा के साथ टीम ने गोलबाजार स्थित खोवा मंडी व आसपास की दुकानों के साथ ही जिले के शहरी इलाकों के होटल व डेयरी दुकानों की जांच की। इस दौरान 21 अलग-अलग खाद्य नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए रायपुर की राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। खोवा, मिठाई, पनीर जैसे खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए यह कार्रवाई की गई है।

पटाखा दुकान में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं

लाइसेंसी पटाखा दुकानों में अनदेखी, भाजपा नेता के दुकान से खाली हाथ लौटी टीम

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर के एक लाइसेंसी पटाखा दुकान में सुरक्षा नियमों को दरकिनार कर पटाखों की बिक्री की जा रही थी। जानकारी मिलने पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। लेकिन, जब पता चला कि दुकान भाजपा नेता का है, तो टीम बिना कार्रवाई के ही चेतावनी देकर लौट गई। मामला सरकंडा क्षेत्र के लिंगियाडीह का है।

दरअसल, लिंगियाडीह स्थित इंडियन पटाखा दुकान संचालित है। लोगों ने शिकायत कर बताया कि व्यापारी लखनलाल वाधवानी और जय कुमार वाधवानी पटाखा दुकान के साथ घर को गोदाम बना लिया है। इस पर राजस्व विभाग के अफसरों ने नायब तहसीलदार नेहा विश्वकर्मा को टीम के साथ जांच करने के निर्देश दिए।

हालांकि, टीम जांच करने पहुंची तब पता चला कि पटाखा दुकान के लिए स्थाई लाइसेंस दिया गया है। लेकिन, यहां सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है।

दुकान में मिली ये खामियां: जांच के दौरान टीम ने पाया कि, दुकान में अवैध भंडारण की सूचना गलत थी। लेकिन सुरक्षा दस्तावेज और संग्रहण से संबंधित कागजात अधूरे मिले। दुकान में सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम नहीं किया गया था, जिसके चलते आग लगने पर गंभीर हादसा हो सकता है।

भाजपा नेता की दुकान, चेतावनी देकर लौट गई टीम: बताया जा रहा है कि, दुकान भाजपा नेता की है। लखन वाधवानी अपने आप को विधायक का करीबी बताता है। इस दौरान उसने फोन भी लगाया। जिसके बाद जांच करने पहुंची टीम लायसेंसधारियों को जल्द से जल्द सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करने और सुरक्षा मानकों को दुरुस्त करने के निर्देश देकर लौट गई।

नाबालिग से दुष्कर्म कर बनाया अश्लील वीडियो

धमकाकर 2 लाख के जेवर ऐंठ लिए, नगर-निगम सफाई कर्मचारियों का सुपरवाइजर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में एक नाबालिग से इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर रेप का मामला सामने आया है। युवक ने रेप करने के दौरान नाबालिग अश्लील फोटो वीडियो बना लिया। इसके बाद उसने वायरल करने की धमकी देकर 2 लाख रुपए के गहने भी वसूल कर लिए। मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी विष्णु सोनी की दोस्ती इंस्टाग्राम के माध्यम से एक नाबालिग से हुई थी। विष्णु नगर निगम सफाई ठेका में सुपरवाइजर है। विष्णु ने दोस्ती के बाद नाबालिग को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद उसमें मौका देखकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

धमकी देकर वसूले गहने: इसके बाद अश्लील वीडियो बनाकर आरोपी विष्णु नाबालिग को ब्लैकमेल करने लगा। वो उसे फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। उसने करीब 2 लाख रुपए के गहने वसूल कर लिए। उसके बावजूद आरोपी रुपए मांगता रहा। परेशान होकर नाबालिग ने अपने परिवार के साथ जाकर आजाद चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी विष्णु सोनी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

फ्रिजर में रखी आइसक्रीम पिघलकर हुई खराब

बिजली बंद होने पर व्यापारी को नुकसान, विद्युत कंपनी को ब्याज सहित देना होगा क्षतिपूर्ति, उपभोक्ता फोरम का फैसला

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में बिजली बंद होने के कारण फ्रिजर में रखी आइसक्रीम पिघलकर खराब हो गई। इसके चलते व्यापारी को नुकसान उठाना पड़ा। जिला उपभोक्ता फोरम ने इसके लिए छत्तीसगढ़ विद्युत विजरण कंपनी को दोषी माना है। साथ ही नुकसान की भरपाई के लिए अमूल आइसक्रीम पार्लर के संचालक को ब्याज सहित क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है।

स्वराज घोष अमूल आइसक्रीम पार्लर के संचालक हैं। उन्होंने साल 2021 में बिजली बंद होने से आइसक्रीम के पिघलकर खराब होने पर जिला उपभोक्ता फोरम में परिवाद प्रस्तुत किया। इसमें बताया गया कि 16 और 17 फरवरी 2021 को 24 घंटे तक बिजली बंद थी। इसके कारण पार्लर के आइसक्रीम और फ्रोजन उत्पादों को नुकसान हुआ। उन्होंने

कई बार इसकी शिकायत विद्युत वितरण कंपनी से की। लेकिन, इसके बाद भी कंपनी ने विद्युत सप्लाई शुरू करने के लिए कोई ध्यान नहीं दिया और बिजली आपूर्ति में बाधा उत्पन्न कर लापरवाही बरती, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा।

बिजली कटौती के लिए तय है नियम: परिवादी व्यापारी ने फोरम को बताया कि नियम के अनुसार विद्युत कंपनी शहरी क्षेत्र में साधारण काम के लिए छह घंटे और बड़े कार्य के लिए 24 घंटे बिजली बंद कर सकती है। लेकिन, इस मामले में बिजली कंपनी ने साधारण काम के लिए बिना सूचना दिए 24 घंटे बिजली बंद रखी थी। इसलिए, वह नुकसान के लिए कंपनी जिम्मेदार है।

विद्युत वितरण कंपनी ने कहा- बिजली कटौती तकनीकी प्रक्रिया है: इस मामले में फोरम ने विद्युत वितरण कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। तब कंपनी की तरफ से तर्क दिया गया कि बिजली कटौती एक सामान्य और तकनीकी प्रक्रिया है। बिजली बंद होने पर उपभोक्ता के पास वैकल्पिक साधनों की व्यवस्था होनी चाहिए। कंपनी ने यह भी दावा किया कि लगातार बिजली की आपूर्ति की गारंटी नहीं दी जा सकती। इसके लिए कंपनी को दोषी ठहराना उचित नहीं है। ऐसे में किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति के लिए कंपनी जिम्मेदार नहीं है।

फोरम ने कंपनी को क्षतिपूर्ति देने दिया आदेश: फोरम ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद माना कि परिवादी के पास वैध विद्युत कनेक्शन था और वह नियमित रूप से बिल का भुगतान कर रहा था। ऐसे में विद्युत कटौती के दौरान कंपनी ने लापरवाही बरती। साथ ही उनकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण परिवादी को आर्थिक और मानसिक क्षति हुई है। फोरम ने विद्युत कंपनी को आदेश दिया है कि व्यापारी को नुकसान के लिए 20 हजार रुपए मुआवजा दी जाए। साथ ही 6 हजार 135 रुपए क्षतिपूर्ति 18 प्रतिशत ब्याज, मानसिक क्षति व वाद व्यय के रूप में भुगतान किया जाए।

पंचायत एवं नगरपालिका निर्वाचक नामावली में दावा-आपत्ति की अंतिम तिथि 29 एवं 30

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। त्रिस्तरीय पंचायत / नगरपालिका निर्वाचन की निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने हेतु ऐसे मतदाता पात्र होगें, जिनकी आयु 01 जनवरी 2024 को 18 वर्ष हो गया है। उनका नाम सामान्य निर्वाचक नामावली में होना अनिवार्य है। जिसके आधार पर विधानसभा एवं लोकसभा का निर्वाचन सम्पन्न हुआ है।

नगर पालिका के निर्वाचन (नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत) के निर्वाचक नामावली में दावा आपत्ति प्राप्त करने हेतु अंतिम तारीख 30 अक्टूबर 2024 दिन बुधवार अपरान्ह 03.00 बजे तक है, एवं त्रिस्तरीय पंचायत के निर्वाचन नामावली में दावा आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तारीख 29 अक्टूबर 2024 दिन मंगलवार अपरान्ह 3.00 बजे तक है।

मिट्टी धंसने से मजदूर की मौत, एक गंभीर

रेलवे लाइन निर्माण के दौरान हादसा, झारखंड से काम करने आए थे दोनों

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के गेवरा में रेलवे लाइन निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी धंसने से एक कर्मचारी की मौत हो गई। वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक गेवरा में रेल लाइन निर्माण का काम चल रहा है। त्रिवेणी कंस्ट्रक्शन कंपनी को काम दिया गया है।

ठेका मजदूर विशाल नायक (26) और दशरथ नायक (30), दोनों झारखंड निवासी दोनों रेलवे साइड एबी कोल स्टॉक के पास ड्रेनेज कार्य में लगे थे। देर रात अचानक काम के दौरान मिट्टी धंसने से दोनों मजदूर मिट्टी में दब गए।

कर्मचारियों ने दोनों को बाहर निकाला: वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों ने किसी तरह दोनों को बाहर निकाला। दोनों को इलाज के लिए गेवरा के विभागीय हॉस्पिटल (हष्टा) में लाया गया, जहां विशाल नायक को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं दशरथ नायक को कमर के नीचे गंभीर चोट आई है।

मृतक और घायल दोनों सगे भाई: मृतक के साले ने बताया की मृतक और घायल दोनों सगे भाई हैं। मृतक उसका जीजा थी और तीनों ठेका कर्मी है। इससे पहले भी गेवरा क्षेत्र में कई हादसे हो चुके हैं, जिससे सुरक्षा इंतजाम पर सवाल उठ रहे हैं। दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कार्रवाई शुरू की। मृतक के परिजनों को मामले की सूचना दे दी गई है।

गौशाला में बने दीयों से जगमगाएगी अयोध्या

एक लाख दीपक के मिले ऑर्डर, गोबर-गोमूत्र से तैयार किए जा रहे दीपक और मूर्ति

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग निप्र। छत्तीसगढ़ के दुर्ग के गौशाला में बने गोबर के दीयों से इस दिवाली भगवान राम की नगरी अयोध्या जगमगाएगी। यहां से एक लाख दीये बनाकर अयोध्या भेजे जा रहे हैं। इन दीयों से रामलला के मंदिर को सजाया जाएगा।

दुर्ग नगर निगम की तरफ से संचालित श्री राधे कृष्ण गौधाम में 500 से अधिक गाय संरक्षित हैं। यह जिले की पहली आत्मनिर्भर गौधाम समिति है। यहां गोबर और गोमूत्र से कई तरह की चीजें बनाई जा रही हैं।

1 लाख दीये भेजे जाएंगे अयोध्या: इस बार श्रीराधे कृष्णा गौधाम में गाय के गोबर से दीपक और कई तरह की मूर्तियां तैयार की जा रही हैं। यहां बने गोबर के दीयों का ऑर्डर छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की अयोध्या नगरी से मिले हैं। आयोध्या की बात करें तो यहां 1 लाख दीये भेजने का ऑर्डर मिला है।

कल्याणम महिला एवं सहायता

समूह की संचालिका गायत्री डोटे ने बताया कि, गाय के गोबर से तैयार दीपक का पूजा में इस्तेमाल करना काफी शुभ माना जाता है। ऐसे दीपक पानी में डूबते भी नहीं हैं। साथ ही दीपक जलने के बाद इसका खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

ऑनलाइन भी मिल रहे ऑर्डर: दुर्ग की कल्याणम महिला स्व सहायता समूह की तरफ से संचालित श्रीराधे कृष्ण गोधाम में गोबर से तैयार दीपकों और मूर्तियों के लिए ऑनलाइन भी ऑर्डर मिल रहे हैं। ऑनलाइन दीये खरीदने के लिए इन्होंने अमेजॉन पर भी अपना प्रोडक्ट डाला है।

दीवाली नजदीक होने से इनके पास इतने ऑर्डर आ गए हैं कि, दीपक तैयार करने के लिए लोग रात दिन लगे हुए हैं। ऑर्डर को पूरा करने के लिए समिति के लोग हर दिन 1000 से अधिक दीये बना रहे हैं।

500 से अधिक गाय संरक्षित: श्रीराधे कृष्ण गोधाम की संचालिका गायत्री ने बताया कि, हमारे पास 500 गोवंश संरक्षित हैं। इनसे इकट्ठा किए गए गोबर से कई प्रकार की भगवान की मूर्तियां और दीपक तैयार किए जा रहे हैं। दीपावली को ध्यान में रखते हुए गोबर की गणेश और लक्ष्मी जी की मूर्तियां तैयार की जा रही हैं।

5 लाख दीयों का मिल चुका है ऑर्डर: समिति की संचालिका ने बताया कि, दिवाली को देखते हुए उनके पास काफी ऑर्डर आ चुका है। अब तक 5 लाख दीये बनाने का ऑर्डर मिला है। इसमें से एक लाख दीये अयोध्या जाएंगे। बाकी दीये दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित विदेश में भी भेजे जा रहे हैं।

इस तरह तैयार किए जाते हैं दीपक और मूर्तियां: स्व. सहायता समूह के सदस्यों ने बताया कि, मूर्ति और दीपक तैयार करने के लिए वो लोग गोबर के साथ साथ उसमें चूना पाउडर, मुल्तानी मिट्टी और पानी के रूप में गोमूत्र को मिलाते हैं। इसके बाद इसे एक सांचे में डालकर दिया और मूर्तियां तैयार कर उन्हें सूखने के लिए छोड़ा जाता है। इसके बाद अन्य लोग उसमें रंग भरने का काम करते हैं।

सूने मकान से लाखों की चोरी

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। भिलाई के हुडको क्षेत्र में शनिवार की सुबह चोरी की वारदात हुई है। यहां दो चोर एक सूने मकान में घुसे। उन्होंने ऊपर रहे रहे किरायदारों का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद नीचे के मकान में घुसकर लाखों की चोरी की और फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस ने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही सभी पार्टियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। भाजपा (क्छ्छक) और उसके सहयोगी दलों ने अपने कुछ उम्मीदवारों के नाम जारी कर दिए हैं। वहीं, अब कांग्रेस पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। वहीं, दूसरी ओर असम में पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 38 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं । असम (ह्यह्यड्डुद्व) में पांच विधानसभा क्षेत्रों बेहाली, धोलाई, समागुरी, बोंगाईगांव और सिदली के लिए उपचुनाव 13 नवंबर को होंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन शुक्रवार को पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 24 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, धोलाई के लिए तीन उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया, सिदली के लिए एक, बोंगाईगांव के लिए पांच, समागुरी के लिए 12 और बेहाली विधानसभा क्षेत्र के लिए तीन उम्मीदवारों ने शुक्रवार को अपना नामांकन दाखिल किया।

लोंगडिंग में सेना की बड़ी कार्रवाई

लोंगडिंग (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में भारतीय सेना ने एक आतंकी को मार गिराया है। चांगखाओ क्षेत्र में आतंकियों और सेना के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक आतंकी मारा गया। भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले के चांगखाओ क्षेत्र में उग्रवादियों की गतिविधि की खुफिया जानकारी मिलने पर असम राइफल्स ने 25 अक्टूबर 2024 को तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी। त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए जवानों ने जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी में एनएससीएन (के-वाईए) का एक उग्रवादी मारा गया। घटनास्थल से एक पिस्तौल और युद्ध सामग्री बरामद की गई।

ऑपरेशन स्ट्रीट सेफ में 742 वाहनों का चालान

नोएडा (एजेंसी)। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में ऑपरेशन स्ट्रीट सेफ चलाया गया। गौतमबुद्ध नगर के अंतर्गत तीनों जोन (नोएडा, सेंट्रल नोएडा व ग्रेटर नोएडा) में रात में संदिग्ध वाहनों और सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने वालों की चेकिंग के लिए ये अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान तीनों जोन के डीसीपी अपने अन्य अधिकारियों के साथ सड़कों पर मौजूद रहे और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की। इस दौरान नियमों का पालन न करने वाले वाहनों व सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नोएडा जोन में डीसीपी रामबदन सिंह के नेतृत्व में 42 स्थानों पर चेकिंग करते हुए पुलिस टीमों द्वारा 1415 वाहनों को चेक किया गया और 274 वाहनों के खिलाफ ई-चालान की कार्रवाई की गई। इस दौरान 12 वाहनों को सीज किया गया। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 148 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। सेंट्रल नोएडा जोन में डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी के नेतृत्व में 32 स्थानों पर चेकिंग करते हुए पुलिस टीमों द्वारा 1411 वाहनों को चेक किया गया और 248 वाहनों के खिलाफ ई-चालान की कार्रवाई की गई। इस दौरान 16 वाहनों को सीज किया गया। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 425 व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। ग्रेटर नोएडा जोन में डीसीपी साद मिया खान के नेतृत्व में 36 स्थानों पर चेकिंग करते हुए 1565 वाहनों को चेक किया गया और 220 वाहनों के खिलाफ ई-चालान की कार्रवाई की गई। इस दौरान चार वाहनों को सीज किया गया। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 137 व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। डीसीपी यातायात यमुना प्रसाद के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान के अंतर्गत चेकिंग करते हुए 70 गाड़ियों को चेक किया गया।

अब जनजातियों के पारम्परिक व्यंजनों का स्वाद भी लेंगे पर्यटक : मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर जनजातीय संस्कृति को बढ़ावा देने और स्थानीय जनजातीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ट्राईबल कैफेटेरिया स्थापित कर रही है। प्रदेश के सिवनी जिले में पेंच नेशनल पार्क के समीप टूरिया गाँव में, बालाघाट जिले में कान्हा नेशनल पार्क के पास और धार जिले में मांडू में ट्राईबल कैफेटेरिया निर्माणाधीन हैं। इन कैफेटेरिया के जरिये पर्यटकों को क्षेत्रीय जनजातीय संस्कृति, खान-पान, व्यंजन और शिल्पकारी से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य न केवल पर्यटन को बढ़ावा देना है, बल्कि स्थानीय जनजातीय समुदायों को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इससे जनजातीय समुदाय की कला व संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। कैफेटेरिया में स्थानीय जनजातीय व्यंजन, हस्तशिल्प और पारंपरिक सजावट उपलब्ध होगी, जिससे पर्यटक एक अनोखे सांस्कृतिक एवं पारिवारिक अनुभव का आनंद ले सकेंगे। इन कैफेटेरिया की स्थापना से स्थानीय जनजातीय समुदायों को रोजगार मिलेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। निश्चित ही पर्यटन उद्योग में भी नए अवसरों का सृजन होगा। जनजातीय कार्य विभाग के अधीन वन्या संस्थान द्वारा इसके लिये विधिवत प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया था। शासन से 5 ट्रॉईबल कैफेटेरिया की

मंजूरी मिल गई है। ये ट्रॉईबल कैफेटेरिया म.प्र. पर्यटन विकास निगम (एमपीटी) द्वारा संचालित किये जायेंगे। इसके लिये जनजातीय वर्ग के स्व-सहायता समूहों को जोड़ा जायेगा। ये समूह क्षेत्रीय जनजातियों के पारम्परिक व्यंजन तैयार कर इस कैफेटेरिया के माध्यम से विक्रय करेंगे। ट्रॉईबल कैफेटेरिया में जनजातियों के पोषक आहार पेज, कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा, मक्का-महुआ, चार-अचार आदि से बने व्यंजन, मिठाई, हलवा आदि तैयार कर पर्यटकों को बेचे जायेंगे। साथ ही जनजातियों की शिल्पकारी, चित्रकारी, खिलौने, बाँस से निर्मित उत्पाद आदि का विक्रय भी किया जायेगा। इससे जनजातीय समुदाय को आजीविका के नये साधन मुहैया होंगे और अतिरिक्त आय उपार्जन भी होगा। पहले चरण में प्रदेश के 3 जिलों में ट्रॉईबल कैफेटेरिया की स्थापना के लिये स्थल (भूमि) का चयन कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ट्रॉईबल कैफेटेरिया के लिये डिजाइन (नक्शा) भी पारित कर दिया गया है। दूसरे चरण में छतरपुर सहित एक अन्य जिले में भी ऐसे ही ट्रॉईबल कैफेटेरिया खोले जायेंगे। संविधान के अनुच्छेद-275 के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय क्षेत्र प्रशासन के तहत विकास योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिये शत-प्रतिशत राशि अनुदान के रूप में दी जाती है। यह राशि जनजातीय कार्य मंत्रालय के जरिये राज्य सरकारों को आवंटित की जाती है। ट्रॉईबल कैफेटेरिया के लिये भी जनजातीय क्षेत्र प्रशासन के तहत विकास राशि प्राप्त हो गई है। ये ट्रॉईबल कैफेटेरिया जनजातीय कार्य विभाग के पूर्ण स्वामित्व में वन्या संस्थान के माध्यम से एमपीटी द्वारा चलाये जायेंगे। ट्रॉईबल कैफेटेरिया के लिये एमपीटी जनजातीय वर्ग के स्व-सहायता समूहों को समुचित प्रशिक्षण व तकनीकी मार्गदर्शन भी देगा। पारम्परिक जनजातीय आहार एवं व्यंजनों सहित जनजातीय कला-संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं उत्पादों के विक्रय के लिये स्थापित किये जा रहे ट्रॉईबल कैफेटेरिया के जरिये सरकार जनजातियों के आर्थिक स्वावलम्बन की दिशा में महती प्रयास कर रही है।

मप्र में अप्रैल तक टल सकते हैं तबादले

प्रदेश में कर्मचारियों के ट्रांसफर पर इस साल प्रतिबंध नहीं हटेंगे। इसकी वजह यह है कि सरकार ट्रांसफर पर प्रतिबंध खत्म कर मिड-सेशन में अव्यवस्था से बचना चाहती है। यदि ट्रांसफर से प्रतिबंध हटा तो इसका सीधा असर कर्मचारियों के साथ ही उनके बच्चों पर पड़ेगा। इसलिए अब अगले साल मार्च या अप्रैल में ही ट्रांसफर पर से बैन हटने की संभावना है। मोहन कैबिनेट के मंत्रियों ने भी इसके संकेत दिए हैं। अब ट्रांसफर न होने का सबसे बड़ा कारण स्कूल शिक्षा के प्रभावित होने को बताया जा रहा है। बहुत जरूरी हुआ तो सीएम समन्वय से ट्रांसफर किए जाते रहेंगे। लोकसभा चुनाव के बाद से ही प्रदेश के कर्मचारी ट्रांसफर से प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर कई बार मंत्रियों ने भी कैबिनेट बैठक और अन्य मौकों पर सीएम से प्रतिबंध शिथिल करने की मांग रखी, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसे टालते जा रहे हैं। सितंबर में कैबिनेट की अनौपचारिक बैठक में इस पर काफी देर तक चर्चा भी हुई थी, तब सीएम ने अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में प्रतिबंध हटाने का आश्वासन देकर बात टाल दी थी। अक्टूबर में हुई कैबिनेट बैठकों में इस पर चर्चा नहीं हुई है। इसलिए अब इसका टलना तय माना जा रहा है। शुक्रवार को मोहन कैबिनेट के एक मंत्री ने तबादले टलने के संकेत देते हुए कहा कि अब मार्च या अप्रैल में ही इस पर प्रतिबंध हटने की उम्मीद है। इसकी वजह तबादले के दायरे में आने वाले स्कूल शिक्षक और कर्मचारियों के बच्चे हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

शिवसेना यूबीटी ने 15 प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट की जारी

मुंबई (एजेंसी)। चुनावी राज्य महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने शनिवार को अपने प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी।दूसरी लिस्ट में 15 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। प्रदेश की विपक्षी महागठबंधन महाविकास अघाड़ी में मौजूद कांग्रेस, राष्ट्रवादी पार्टी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) पार्टियों में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय हो गया है। इसके बाद से पार्टियों द्वारा अपने प्रत्याशियों के ऐलान का सिलसिला लगातार जारी है। शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) ने अपने 15 प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी। पार्टी ने धुले शहर से अनिल गोटे, चोपड़ा से राजू तडवी, जलगांव शहर से जयश्री महाजन, बुलढाणा से जयश्री शेलके, दिग्रस से पवन जायसवाल, हिंगोली से रूपाली पाटिल, परतुर से आसाराम बोराडे, देववली से योगेश घोलप, कल्याण पश्चिम से सचिन बासरे, कल्याण पूर्ण से धनंजय बोडारे, श्रीगोंदा से अनुराधा नागवाड़े, शिवडी सीट से अजय चौधरी, भयखला से मनोज जामसुतकर, कणकवली से संदेश पारकर और वडाला से श्रद्धा जाधव को मैदान में उतारा है। इससे पहले पार्टी ने 23 अक्टूबर को अपने 65 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी थी।

बर्निंग ट्रेन बनने से बची इंटरसिटी एक्सप्रेस

झांसी (एजेंसी)। खजुराहो से उदयपुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस बर्निंग ट्रेन बनने से बाल-बाल बच गई। इंटरसिटी एक्सप्रेस के एसी कोच के इलेक्ट्रिक पैनल में अचानक आग लग गई, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। रेल कर्मियों ने अग्निशामक यंत्रों से आग को बुझाया। इस बीच दमकल की गाड़ियां भी पहुंच गई। आग बुझने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया। हादसे के कारण ट्रेन लगभग 52 मिनट तक मऊरानीपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही। इंटरसिटी एक्सप्रेस (19665) दोपहर 12.34 बजे मऊरानीपुर रेलवे स्टेशन पहुंची।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत में जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ कई मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दौरे पर आईं जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बैरबॉक के साथ वैश्विक और समकालीन विश्व के मुद्दों पर चर्चा करते हुए भारत और जर्मनी के महत्वपूर्ण सहयोग और समन्वय को चिह्नित किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने जर्मनी के वाइस चांसलर रॉबर्ट हेबेक के साथ भी सार्थक बातचीत की। रॉबर्ट हेबेक जर्मनी के आर्थिक मामलों और जलवायु कार्रवाई मंत्री भी हैं। ये चर्चाएं सातवें भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) बैठक का हिस्सा थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल

मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि आईजीसी की बैठक सफल रही। उन्होंने बैरबॉक और हेबेक के साथ अपनी अलग-अलग बैठकों की तस्वीरें पोस्ट की। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, आज सफल आईजीसी बैठक के बाद जर्मनी के विदेश मंत्री एनालेना बैरबॉक से मिलकर खुशी हुई। कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई।

स्टेटिक सर्विलांस टीम की बड़ी कार्रवाई, पुणे से पकड़ी 139 करोड़ रुपये की सोने की खेप

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग की स्टेटिक सर्विलांस टीम ने 139 करोड़ रुपये की सोने की खेप पकड़ी है। यह सोने (त्रश्रद्यस्र) की खेप एक लॉजिस्टिक सर्विस फर्म के वाहन से पकड़ी गई है। हालांकि पुणे के एक ज्वैलर्स फर्म ने दावा किया है कि सोने की यह खेप वैध है।

महाराष्ट्र के पुणे में एसएसटी को तैनात किया गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन 2) स्मार्तना पाटिल ने बताया कि सहकारनगर इलाके में सीक्रल ग्लोबल प्रेशियस लॉजिस्टिक्स के एक टेम्पो अचानक रोका गया। तलाशी लेने पर पता चला कि टेम्पो में रखे बक्सों में आभूषण हैं। यह टैम्पो मुंबई से आया था। इसके बाद मामले की जानकारी आयकर विभाग और चुनाव अधिकारियों को दी गई। टेम्पो में मिले आभूषण की कीमत 139 करोड़ रुपये आंकी गई है।

आभूषण कंपनी पीएन गाडगिल एंड संस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित मोदक के मुताबिक आभूषणों की यह खेप वैध है। यह पुणे के विभिन्न सोनारों की दुकानों के आभूषण हैं।

लद्दाख के बाद अरुणाचल प्रदेश के यांग्त्से में भी शुरू होगी पेट्रोलिंग, भारत-चीन के बीच बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन दुनिया की सबसे लंबी और विवादित सीमा साझा करते हैं, जिसे लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल यानी एलएसी कहते हैं।

ये 3488 किलोमीटर लंबी सीमा है। ये इतनी लंबी रेखा है कि भारत और चीन, लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक कई हिस्सों में अपना

अलग-अलग दावे करते हैं और इससे टकराव की स्थिति बढ़ जाती है। लेकिन अब कुछ इलाकों और वहां पेट्रोलिंग को लेकर आपसी सहमति बनी है। आर्मी सूत्रों के मुताबिक, भारत और चीन के बीच में कुछ इलाकों को लेकर आपसी सहमति बनी है और पेट्रोलिंग फिर से शुरू की जाएगी, जिसमें अब अरुणाचल प्रदेश का यांग्त्से भी शामिल है। इस क्षेत्र में चीनी सैनिकों को गश्त की अनुमति दी जाएगी।

हिमाचल में कांग्रेस की सरकार बनते ही खत्म की जा रही हैं नौकरियां : अमित मालवीय

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश में सरकारी नौकरी पाने की इच्छा रखने वाले युवाओं को सरकार ने झटका दिया है। हिमाचल सरकार ने दो साल से खाली पड़े पदों को खत्म कर दिया है। इसे लेकर आदेश भी जारी किया गया है। हिमाचल सरकार के इस फैसले पर भाजपा ने तंज कसा है और कहा है कि चुनाव के दौरान युवाओं को सरकारी नौकरी देने के वायदे पर कांग्रेस ने प्रदेश में अपनी सरकार बनाई। लेकिन, सरकार बनने के बाद युवाओं से सरकारी नौकरी छीनी जा रही है।

भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिमाचल प्रदेश की सरकार पर तंज कसते हुए लिखा, हिमाचल प्रदेश सरकार ने दो साल या इससे अधिक समय से सरकारी विभागों या सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों में रिक्त चल रहे सभी पदों खत्म करने का आदेश जारी किया है। इन पदों की संख्या हजारों में बताई जा रही है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश की वित्त विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक और वांछित गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में मुंबई पुलिस के हाथ एक बड़ी कामयाबी लगी है। मुंबई पुलिस और पंजाब पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में इस मर्डर में वांछित एक और व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े जाने वाले व्यक्ति का नाम सुजीत सुशील सिंह है, जो मुंबई का निवासी है। इस मामले की जानकारी डीजीपी पंजाब पुलिस ने दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, मुंबई पुलिस ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर एक बड़ी सफलता हासिल की है। इस संयुक्त ऑपरेशन में मुंबई निवासी सुजीत सुशील सिंह को गिरफ्तार किया गया है, जो बाबा सिद्दीकी के हाई-प्रोफाइल मर्डर केस में वांछित था।

सुजीत पर आरोप है कि उसने इस हत्या की साजिश में सहयोग दिया था। हत्या की योजना के बारे में उसे पहले से ही जानकारी थी, जो कि एक अन्य आरोपी, नितिन गौतम सपरे ने उसे दी थी। सुजीत ने इस साजिश में जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराईं। अब सुजीत को मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया है, जो आगे की जांच करेगी। पंजाब पुलिस और मुंबई पुलिस ने आपसी सहयोग से इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। यह नागरिकों की सुरक्षा और न्याय के प्रति हमारे अटूट समर्पण को दर्शाता है।

बिहार में दीये के बाजार सजे, मौसम ने की कुम्हारों के 'चाक' की रफ्तार धीमी

पटना (एजेंसी)। दीपावली को लेकर बिहार की राजधानी पटना समेत अन्य शहरों और कस्बों में बाजार की रौनक बढ़ गई है। इस बीच सड़कों के किनारे दीये के बाजार सज गए हैं, हालांकि मौसम के बदलाव के कारण कुम्हारों के चाक की गति धीमी जरूर पड़ गई है।

वैसे, दीया और मिट्टी से बने गणेश और लक्ष्मी की मूर्ति बनाने वालों का मानना है कि इस वर्ष मिट्टी से बने दीये और खिलौनों की मांग

बढ़ी है। दीपावली प्रकाश का पर्व है और इस त्योहार पर मिट्टी के दीपक का विशेष महत्व होता है। हर साल दीपावली पर घरों को सजाने के लिए मिट्टी के दीपक जलाए जाते हैं, जो न केवल घरों को रोशन करते हैं, बल्कि पूजा-पाठ के लिए भी जरूरी माने जाते हैं। इसके कारण हाल के दिनों में मिट्टी के दीयों की मांग बढ़ी है। आशियाना बाजार के कुणाल पंडित कहते हैं कि इस साल मिट्टी के दीयों की मांग दुर्गा पूजा के बाद से ही बढ़ी है। वे बताते हैं कि परंपरागत दीयों के अलावा डिजाइनर दीयों की मांग भी इस दीपावली में हो रही है, लेकिन अधिकांश लोग परंपरागत दीयों की ही मांग कर रहे हैं।

शमी पर चयनकर्ताओं ने साधी चुप्पी, आउट ऑफ फॉर्म चल रहे सिराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम अगले महीने ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जहां उसे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की सीनियर चयन समिति ने शुक्रवार को भारतीय टीम का ऐलान किया। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम में 5 तेज गेंदबाजों का चयन हुआ है। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के अलावा 3 गेंदबाजों के पास अनुभव की कमी है। शमी का ना नहीं है 3 नए चेहरों में आकाशदीपर, प्रसिद्ध कृष्ण और हर्षित राणा शामिल हैं। आकाशदापी के पास 3 और प्रसिद्ध कृष्णा के 2 मैचों का अनुभव है। सिराज अपने करियर के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज में जसप्रीत बुमराह पर दारोमदार होगा, जो घरेलू सरजमीं पर भी पेस अटैक की अगुवाई कर रहे हैं। अब तक 5 में से 4 टेस्ट खेले हैं। शमी के टीम में न होने से किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए, लेकिन कुलदीप यादव समेत अन्य खिलाड़ियों की चोट के कारण न चुने जाने के बारे में प्रेस रिलीज में जानकारी दी गई है। शमी को लेकर कुछ कहा ही नहीं गया है। चयनकर्ता चुप्पी साधे हुए हैं। टीम चनय से पहले उन्होंने बॉलिंग करते हुए एक वीडियो एक्स पर शेयर किया है। शायद वह खुद को फिट बताने की कोशिश कर रहे हैं हालांकि, द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार मोहम्मद शमी को टीम में शामिल करने पर फैसला तब लिया जाएगा

जीलैंड ने भारत में रचा इतिहास, टीम इंडिया को पछाड़कर पहली बार जीती टेस्ट सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत को न्यूजीलैंड के हाथ दो मैचों में लगातार हार झेलनी पड़ी है। पहले बेंगलुरु और फिर पुणे टेस्ट में भारत को कीवी टीम ने 113 रन से मात दी है। न्यूजीलैंड ने लगातार दूसरा मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया है। पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 255 रन बनाकर भारत को जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य दिया। जिसके जवाब में भारतीय टीम के बल्लेबाज विफल रहे। यशस्वी जायसवाल को छोड़कर अन्य बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। 359 रनों के जवाब में भारत दूसरी पारी में सभी विकेट खोकर 245 रन ही बना सकी। यशस्वी जायसवाल (77) और रविंद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। भारत ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल (77) के अलावा रविंद्र जडेजा ही कीवी गेंदबाजों के सामने सहजता से खेल सके। वहीं अनुभवी रोहित शर्मा (8) और विराट कोहली (17) लगातार दूसरी पारी में बड़ी पारी खेलने में फेल रहे।

शुभमन गिल ने 23 रन बनाए। ऋषभ पंत दुर्भाग्यशाली तरीके से रन आउट हुए वहीं पहली टेस्ट में शानदार शतक लगाने वाले सरफराज खान पुणे की पिच पर दूसरी पारी में भी नहीं चले और 9 रन के निजी स्कोर पर सेंटनर का शिकार बने। उन्होंने पहली पारी में 11 रन का योगदान दिया था। वॉशिंगटन सुंदर 21 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे। यशस्वी जायसवाल ने कीवी आक्रमण का ध्वस्त करने का काम किया और शुभमन गिल के साथ 62 रन की साझेदारी की। सैंटनर ने गिल को पहली स्लिप में लपकवाकर इस साझेदारी को तोड़ा। जायसवाल भी पहली स्लिप में कैच देकर आउट हुए। सुपरस्टार विराट कोहली एक बार फिर नाकाम रहे। ऋषभ पंत, विराट कोहली के साथ गलतफहमी के बाद रन आउट हो गए। सफराज खान 9 रन बनाकर सैंटनर की गेंद पर बोल्ड हुए। वॉशिंगटन सुंदर ने 47 गेंद में 21 रन बनाए और चाय से ठीक पहले ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर आउट हुए। अश्विन 18, आकाशदीप एक रन बनाकर आउट हो गए। जबकि आखिर तक जडेजा 42 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे। इससे पहले न्यूजीलैंड ने अपने कल के स्कोर पांच विकेट पर 198 रन से आगे खेलना शुरू किया और उनकी पूरी टीम 255 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर चार विकेट लेकर सबसे सफल रहे वहीं रविंद्र जडेजा ने तीन और अश्विन ने दो विकेट अपने नाम किए।

शस्वी जायसवाल का नाया कारनामा, घरेलू मैदान पर कैलेंडर इयर में 1000 टेस्ट रन पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पुणे टेस्ट मैच में मेजबान टीम को जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य मिला है। भारतीय टीम ने लंच तक किसी तरह खुद को मैच में बनाए रखा है। टीम ने एक विकेट खोकर 81 रन बना लिए थे। इस दौरान टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपनी फिफ्टी भी पूरी कर ली है, और दिग्गजों के क्लब में एंट्री कर ली है। जायसवाल लंच के समय 46 और शुभमन गिल 22 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारतीय टीम ने 359 रन के जवाब में तेज शुरुआत की। 5.4 ओवर में टीम का स्कोर 34 के पार था। इसी समय पर रोहित शर्मा आउट हुए। उन्होंने 16 गेंदों में 8 रन बनाए। यहां से शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने पारी को संभाला और लंच तक 12 ओवर में टीम का स्कोर 81 रन तक पहुंचाया। यशस्वी जायसवाल ने छठे ओवर में 22 रन का आंकड़ा पार किया जिसके साथ घर पर उनके इस कैलेंडर इयर में 1000 टेस्ट रन पूरे हो गए। उनसे पहले भारत के केवल दो ही खिलाड़ी ये कारनामा कर पाए हैं। सुनील गावस्कर ने 1979 में और गुणप्पा विश्वनाम ने भी साल 1979 में ही घर पर 1000 टेस्ट रन बनाए थे। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को तीसरे दिन के पहले ही घंटे में ऑलराउंडर कर दिया। रविंद्र जडेजा ने दिन की पहली सफलता टॉम ब्लंडेल को आउट करके दिलाई। विकेटकीपर बल्लेबाज 41 रन बना चुका था।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत 8 नवंबर से होगी।

पहला मैच किंग्समीड में खेला जाएगा, दूसरा 10 नवंबर सेंट जार्ज ओवल में, तीसरा 13 नवंबर सुपरस्पोर्ट पार्क स्टेडियम में और चौथा टी20 15 नवंबर को वान्डेरर्स स्टेडियम में खेला जाएगा। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से खेले जाएंगे। भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथ में होगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 में कुल 27 मैच खेले गए हैं। इन 27 मैचों में से भारत ने 15 जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका 11 बार विजयी हुआ है। 1 मैच बिना किसी नतीजे के रहा है। हेड टू हेड में भारतीय टीम आगे है। देखना होगा कि नवंबर में होने वाली टी20 सीरीज में कौन सी टीम जीतती है।

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्ष पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैश्य, आवेश खान और यश दयाल।

साजिद-नोमान ने इंग्लैंड टीम को दिन में दिखाए तारे, पाकिस्तान ने सीरीज की अपने नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। शान मसूद की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। पाकिस्तान ने शनिवार को तीसरे और निर्णायक टेस्ट में इंग्लैंड को 9 विकेट से धूल चटाई। स्पिनर साजिद खान और नोमान अली ने इंग्लैंड का चारों खाने चित कर दिया। पाकिस्तान को रावनपिंडी में आयोजित आखिरी टेस्ट में तीसरे दिन महद 36 रनों का लक्ष्य मिला, जो उसने 3.1 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पाकिस्तान को पहले मैच में पारी और 47 रन से हार मिली थी। इसके बाद पाकिस्तान ने लगातार दो टेस्ट जीतकर सीरीज पर अपना कब्जा जमाया। वहीं पाकिस्तान ने दूसरी बार पहला टेस्ट हारने के बाद तीन मैचों की सीरीज जीतने का कमाल किया है। पाकिस्तान ने पहली बार ये कमाल 29 साल पहले यानी 1995 में जिम्बाब्वे के खिलाफ किया था। पाकिस्तान ने नवंबर 2015 के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहली टेस्ट सीरीज अपने नाम की है। पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर 18 साल और 18 दिन बाद इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज जीती। वहीं, पाकिस्तान ने 2021 के बाद पहली घरेलू टेस्ट सीरीज जीती है। पाकिस्तान ने इस दौरान चार सीरीज गंवाई। मसूद की अगुवाई में पाकिस्तान ने पहली बार सीरीज पर कब्जा जमाया है। रावलपिंडी टेस्ट के तीसरे बेन स्टोक्स के नेतृत्व वाली इंग्लैंड टीम 37.2 ओवरों में दूसरी पारी में 112 रनों पर सिमट गई। साजिद खान और नोमान अली ने कातिलाना गेंदबाजी की। साजिद ने 18 ओवर में 69 रन देकर 4 विकेट चटकाए जबकि नोमान ने 18.2 ओवर में 42 रन खर्च करते हुए 6 शिकार किए। इंग्लैंड ने तीसरे दिन 24/3 के स्कोर से अपनी आगे बढ़ाई लेकिन 88 रन जोड़कर 7 विकेट खो दिए। इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा रन जो रूट ने बटोरे।

वॉशिंगटन का पुणे में कारनामा, 11 विकेट लेते ही स्पेशल क्लब में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड पुणे टेस्ट में गर्दा काट दिया। सुंदर ने मैच में 115 रन देकर 11 विकेट चटकाए। उन्होंने पहली पारी में 7 और दूसरे पारी में 4 शिकार दिए। न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन यानी शनिवार को भारत के सामने 359 रनों का टारगेट रखा। भारत को भले ही मुश्किल लक्ष्य मिला लेकिन सुंदर के कारनामें की खूब तारीफ हो रही है। 25 वर्षीय सुंदर ने एक स्पेशल क्लब में एंट्री मारी है, जिसके टॉप पर रविचंद्रन अश्विन हैं। दरअसल, सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में 11 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। उनके अलावा ईएएस प्रसन्ना कीवी टीम के खिलाफ 11 विकेट ले चुके हैं। प्रसन्ना ने 1976 में ऐसा किया था। वहीं अश्विन ने एक बार 12 और एक बार 13 विकेट किया था। एस वेंकटराघवन ने 1965 में 12 विकेट अपने नाम किए थे। शनिवार को न्यूजीलैंड टीम पांच विकेट पर 198 रन से आगे खेलते हुए जल्दी ढेर हो गई। न्यूजीलैंड ने पहले सेशन में 57 रन बटोरकर पांच विकेट खोए, जिसके चलते दूसरी पारी 255 पर सिमटी।

रोहित शर्मा ने बीच मैदान में लगाई इस खिलाड़ी की लास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेल रही है। न्यूजीलैंड की टीम दूसरी पारी में 300 से ज्यादा रन बना चुकी है। भारतीय टीम के लिए चेज करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस बीच कप्तान रोहित शर्मा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वह प्लेयर्स से मजाकिया अंदाज में बात करते हुए नजर आ रहे हैं। जिसमें वह किसी गेंदबाज को धीमी गेंद डालने के लिए कह रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में रोहित शर्मा किसी बॉलर से कहते हैं। इतना जोर से बॉल आएगा तो मैं मर जाउंगा साले... इसको धीरे डाल ना थोड़ा ऊपर जाएगा बॉल... इसीलिए बोल रहा हूं इसको आउट कर यार। ज्यादा हीरो बन रहा है तू इस दौरान रोहित के पास आर अश्विन होते हैं। अश्विन कहते हैं मैं? बता दें कि, भारतीय टीम के लिए दूसरे टेस्ट में जीतना थोड़ा मुश्किल है। क्योंकि भारतीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के सामने विफल रहे हैं। वहीं अगर टीम इंडिया ये मैच भी हार जाती है तो न्यूजीलैंड तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से सील कर लेगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद कप्तान रोहित शर्मा का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय धरती पर 12 साल के बाद न्यूजीलैंड की टीम ने वो कमाल कर दिखाया जो पिछले 12 साल के कोई भी टीम नहीं कर पा रही थी। टॉम लेथम की कप्तानी में कीवी टीम ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दो मैच जीतकर इस टेस्ट सीरीज को 2-0 से जीत लिया। न्यूजीलैंड की टीम ने पहली बार भारतीय धरती पर किसी टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज करने में सफलता हासिल की। दूसरे टेस्ट में भारत को 113 रन से हार मिली और इसके बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट सीरीज में हार के कारण बताया। पुणे टेस्ट मैच में मिली हार के बाद रोहित शर्मा ने कहा कि ये हमारे लिए काफई निराशाजनक रहा। जैसा हमने सोचा था इस बार वैसा नहीं हो पाया। इस जीत का श्रेय न्यूजीलैंड को देना होगा जिन्होंने हमसे बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। हम कुछ खास मौकों का फायदा उठाने में विफल रहे। हम कीवी टीम की चुनौतियों का जवाब देने में विफल रहे और इसका नतीजा हमें हार के रूप में भुगतना पड़ा। रोहित शर्मा ने कहा

है कि मुझे नहीं लगता है कि हमने बोर्ड पर जीतने के लिए पर्याप्त रन डाले। आपको जीतने के लिए 20 विकेट लेने होंगे, लेकिन बल्लेबाजों को बोर्ड पर रन लगाने होंगे। उन्हें 250 के स्कोर के पास रोकना एक बेहतरीन वापसी थी। लेकिन हम जानते थे कि हमारे लिए ये चुनौतीपूर्ण होने वाला है। रोहित शर्मा ने कहा कि पिच में कोई खराबी नहीं थी हमने बस बल्लेबाजी अच्छी नहीं की। अब हम अगले टेस्ट यानी तीसरे टेस्ट में वानखेड़े में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और उस टेक्स्ट मैच को जीतने की कोशिश करना चाहते हैं। ये हमारी सामूहिक विफलता है। रोहित ने कहा कि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो केवल बल्लेबाजों या गेंदबाजों को दोष दूं। हम वानखेड़े में बेहतर इरादे, बेहतर विचार और बेहतर तरीकों के साथ मैदान पर उतरेंगे। मैं किसी चीज का ज्यादा पोस्टमार्टम नहीं करना चाहूंगा। अपने अपने प्लान के मुताबिक काम नहीं कर पाए। सारे बल्लेबाजों को भी अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी। सारे बल्लेबाजों को भी अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी। न्यूजीलैंड की टीम ने दिखाया कि अगर आप सही तरीक से खेलेंगे तो गेंदबाजों पर प्रेशर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हमारी हार पूरी यूनिट की हार है और सबको हार की जिम्मेदारी लेनी होगी।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में हुआ बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 अक्टूबर 2024 का दिन क्रिकेट जगत में हमेशा याद रखा जाएगा। जहां पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में हराकर 2-1 से सीरीज अपने नाम की वहीं न्यूजीलैंड ने भारत को 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में भी हराकर सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। कीवी टीम के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज को गंवाने के बाद अब भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो गया है। भारत की हार और पाकिस्तान की जीत के बाद आखिर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में टीमों की क्या स्थिति है इसके बारे में बात करते हैं।

भारत को कीवी टीम के खिलाफ दो टेस्ट मैच में लगातार हार मिली, लेकिन भारत फिर भी पहले नंबर पर बना हुआ है। भारत ने अब तक खेले 13 मैचों में से 8 में जीत दर्ज की है जबकि 4 में उसे हार झेलनी पड़ी है।

वहीं एक मैच ड्रॉ भी रहा। भारत की जीत का प्रतिशत अभी 62.82 है। वहीं कीवी टीम अभी पॉइंट टेबल में चौथे स्थान पर है जिसने 10 में से 5 मैच जीते हैं और 5 हारे हैं। इस टीम की जीत का प्रतिशत 50.00 है। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच जीते और इससे वो अंकतालिका में अब 7वें नंबर है जबकि इंग्लैंड की टीम छठे स्थान पर है। पाकिस्तान की टीम ने अब तक खेले 10 में से 4 मैच जीते हैं और 6 हारे हैं। इस टीम की हार का प्रतिशत 33.33 है। इंग्लैंड की बात करें तो 19 में से 9 मैच जीते हैं और 9 हारे हैं जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। इस टीम की जीत का प्रतिशत 40.79 है। अंकतालिका में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया जबकि तीसरे नंबर पर श्रीलंका की टीम मौजूद है।

राम वन गमन पथ के काम की जानकारी लेंगे सीएम

डॉ. मोहन यादव के पहुंचने से पहले चित्रकूट को तहसील बनाने के दावे-आपत्ति मांगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल/सतना निप्र। चित्रकूट विकास प्राधिकरण के गठन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को चित्रकूट पहुंचे। उनके पहुंचने से पहले राजस्व विभाग ने सतना जिले में नई तहसील चित्रकूट के गठन को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसमें एक माह के अंदर दावे आपत्ति मांगे गए हैं। चित्रकूट को मझगवां तहसील से अलग कर नई तहसील का दर्जा दिया जाएगा। चित्रकूट प्रवास के दौरान सीएम यादव रामवन गमन पथ के निर्माण और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी भी स्थानीय अधिकारियों से लेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज यहां रात्रि विश्राम करेंगे और अंतर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव के कार्यक्रम में शामिल होंगे। सीएम यहां कामतानाथ के दर्शन और कामदगिरि परिक्रमा भी कर सकते हैं।

इस बीच सीएम यादव के पहुंचने के पहले चित्रकूट को तहसील का दर्जा देने की प्रक्रिया कागजों में अमल में आनी शुरू हो गई है। राजस्व विभाग ने 24 अक्टूबर को जारी नोटिफिकेशन में चित्रकूट को नई तहसील बनाने के लिए दावे आपत्ति मांगे हैं। इसमें कहा गया है कि चित्रकूट नई तहसील बनने के बाद तीन ओर से यूपी से घिरा रहेगा और एक ओर सतना जिले की मझगवां तहसील रहेगी। चित्रकूट अब तक मझगवां तहसील में शामिल रहा है। चित्रकूट के अलग तहसील बनने के बाद मझगवां तहसील की सीमाएं पूरब में बिरसिंहपुर तहसील, पश्चिम में पन्ना जिला, उत्तर में चित्रकूट और यूपी और दक्षिण में रघुराजनगर तहसील और बिरसिंहपुर तहसील रहेगी।

चित्रकूट में हुई बैठक में लिया था फैसला: मुख्यमंत्री यादव ने चित्रकूट को तहसील बनाने का फैसला तीन माह पहले चित्रकूट में हुई बैठक में लिया था। इस बैठक में पूर्व सीएस वीरा राणा के अलावा अलग-अलग विभागों के एसीएस, पीएस व अन्य अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने बैठक में चित्रकूट विकास प्राधिकरण के गठन का भी फैसला लिया था। इसका भी नोटिफिकेशन हो गया है। प्राधिकरण के अध्यक्ष सतना कलेक्टर होंगे और सीईओ के पद पर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की पदस्थापना की जाएगी। अभी प्राधिकरण के सीईओ के पद पर किसी की पदस्थापना नहीं की गई है।

राम वन गमन पथ पर होगी चर्चा: सीएम यादव के चित्रकूट प्रवास के दौरान राम वन गमन पथ के निर्माण और तैयारियों को लेकर अधिकारियों से सीएम फीडबैक ले सकते हैं। इसके अलावा वनवासी राम लोक बनाने को लेकर किए जा रहे कामों के बारे में भी सीएम को जानकारी दी जाएगी।

पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

फेंटू क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट में बने मुख्य अतिथि

मीडिया ऑडीटर, मैहर निप्र। जिले के पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, जो अपनी सख्त कानून व्यवस्था के लिए जाने जाते हैं, आज फेंटू क्लब द्वारा आयोजित अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस आयोजन में उन्होंने खिलाड़ियों से मिलकर उनके उत्साहवर्धन के साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर श्री सुधीर अग्रवाल ने कहा कि खेल हमारे समाज में युवाओं के मानसिक और शारीरिक विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा कि मेहनत और समर्पण से वे भविष्य में अपने राज्य और देश का नाम रोशन कर सकते हैं।पुलिस अधीक्षक की इस पहल से खिलाड़ियों और दर्शकों में काफी जोश और उमंग देखने को मिला। आयोजनकर्ताओं ने भी उनके इस सहयोग के लिए आभार प्रकट किया और आशा व्यक्त की कि इस तरह की उपस्थिति से खेल को प्रोत्साहन मिलता रहेगा।आयोजन के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी खिलाड़ियों से व्यक्तिगत तौर पर बातचीत की और उन्हें अपने खेल में निखार लाने के लिए प्रेरित किया।

इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल पर वसूली का आरोप

छात्रों ने कहा- नाम काटने की धमकी देते हैं, शिकायत करने पर सुनवाई नहीं हुई

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के सेठ राधा कृष्णन पोद्दार इंटर कॉलेज में विवाद बढ़ता जा रहा है। स्कूल के प्रिंसिपल पर छात्रों ने अवैध तरीके से अधिक फीस वसूली और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। आरोपों के मुताबिक, प्रिंसिपल बिना रसीद के मनमानी फीस वसूल रहे हैं और फीस न देने पर छात्रों को धमकी देते हैं कि उनके नाम काट दिए जाएंगे। इस बात से परेशान होकर सैकड़ों छात्र कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपकर न्याय की गुहार लगाई।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष संजय कुमार गौतम ने किया। उन्होंने बताया कि प्रिंसिपल के रवैये से छात्रों में भारी आक्रोश है और वे लगातार प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं। छात्रों ने बताया कि वे कई बार इस मामले की शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

नरसिंहपुर के कटरा में मेगा मेडिकल कैम्प का हुआ आयोजन

326 मरीजों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नरसिंहपुर, कटरा क्षेत्र में प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत आज निःशुल्क बृहद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। शिविर में 326 मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ विभिन्न बीमारियों की जांच की गई और उन्हें उचित परामर्श भी दिया गया। इसके साथ ही, निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। कैंप में विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उपरोक्त आशय की जानकारी देते हुए कंपनी के एजीएम सी0 एस0 आर0 एंड पीआर देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि इस कैंप का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना था। निःशुल्क बृहद चिकित्सा शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि शकुंतला लंकेश सिंह सरपंच ग्राम पंचायत नरसिंहपुर, अध्यक्ष पुष्पा गर्ग, उपसरपंच, ग्राम पंचायत नरसिंहपुर, विशिष्ट अतिथि मनीष कुमार सिन्हा, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स, अंतर्यामी सामल, जीएम, पर्सनल एंड आईआर, डी के सिंह जीएम, माइंस एवं अनिल गर्ग, समाजसेवी द्वारा चिकित्सा शास्त्र के जनक भगवान धंन्वतरि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मिश्रा ने प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व द्वारा किये जा रहे विभिन्न सामाजिक विकास के कार्यों का वर्णन करते हुये बताया कि आज के शिविर में डॉ डीडी मिश्रा हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ सौरभ पाण्डेय मेडिसिन, डॉ रचना गुप्ता स्त्री एवं प्रसूति रोग, डॉ अश्विनी जैन दंत रोग विशेषज्ञ एवं डॉ नीरज सिंह नेत्ररोग ने अपनी सेवायें प्रदान की।

अपराधों का ग्राफ 25 हजार पार, सीएम प्रोटोकॉल में व्यस्त रीवा पुलिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सेमरिया विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने लगाए गए आरोपों में पुलिस प्रशासन की पोल खोली है जिसमें विधायक ने बताया कि पिछले तीन वर्षों के भीतर जिलेभर में संचालित थानों में करीब 25176 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं जबकि महज महिला संबंधी अपराध का ग्राफ ही 500 के पार पहुंचा है बावजूद इसके पुलिस की टीम अपराध की घटनाओं को कम करने की बजाय सीएम और डिप्टी सीएम के प्रोटोकॉल में व्यस्त रहती है। दरअसल बीते दिनों जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र स्थित धार्मिक स्थल भैरव बाबा मंदिर के समीप महिला के साथ हुई दुष्कृत्य की घटना पर सरकार और प्रशासन पर सवाल खड़े करते हुए विधायक ने कहा कि पुलिस की टीम जिले में अवैध मादक पदार्थों के संचालन में संरक्षण प्रदान कर रही है और लोगों की सुरक्षा पर चुप्पी साधे हुए बैठी है जिससे लगातार महिलाएं दुष्कर्म जैसे संगीन अपराध का शिकार हो रही हैं मगर इनके खिलाफ कुछ बोलने वाला कोई नहीं है। कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा का कहना है कि पिछले तीन वर्षों से लगातार अपराध का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है तथा तीन वर्षों के भीतर ही जिलेभर में करीब 25176 आपराधिक मामले सामने आए हैं जिसमे करीब 509 मामले महिला संबंधी अपराधों के हैं जिसमें महिलाओं और बच्चियों के साथ दुष्कर्म और छेड़ छाड़ जैसी घटना शामिल है। इसके साथ ही विधायक ने रीवा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चोरी, लुट, हत्या जैसे अपराधों पर पुलिस ने शिकंजा नहीं कसा और अपराधिक घटनाओं में शामिल लोग ही अवैध मादक पदार्थों की बिक्री करते हैं जिससे रीवा उड़ता पंजाब की तर्ज बहता रीवा हुआ जा रहा है।

नर्स से गैंगरेप, हाथ-पैर बांध रेलवे ट्रैक पर फेंका

3 युवकों ने बीच रास्ते रोका, आंख पर घूसे मारे

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट में एक नर्स के साथ 3 युवकों ने गैंगरेप किया। वह एक प्राइवेट अस्पताल में काम करती है। शनिवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे साइकिल से अस्पताल जा रही थी। तभी सड़क किनारे खड़े युवक ने पीछे से पत्थर मारकर उसको रोक लिया। इसके बाद युवक ने मौके पर अपने और साथियों को बुला लिया। फिर उसके साथ रेप किया।

पहचान छिपाने के लिए आरोपियों ने नर्स के चेहरे पर घूसे मारे। इसके बाद उसके हाथ-पैर बांधकर रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। होश आने पर नर्स ने ट्रैक पर मौजूद एक युवक को इशारे से बुलाया। उसी युवक ने नर्स को अस्पताल पहुंचाया। साथ ही पुलिस को भी घटना के बारे में बताया। मामला बरगढ़ थाना क्षेत्र का है।

अस्पताल लाने वाले युवक की पुलिस कर रही तलाश: अस्पताल पहुंची पुलिस ने नर्स के बयान लिए हैं। उसकी हालत गंभीर है। बेहतर इलाज के लिए प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। वहीं पर उसका मेडिकल होगा। पुलिस को घटना की सूचना देने वाला युवक लापता है। पुलिस उसकी भी तलाश कर रही है। पुलिस ने 3 आरोपियों पर गैंगरेप का केस दर्ज कर लिया है।

नर्स बोली- पीछे से मेरे सिर पर पत्थर मारा गया: नर्स ने बताया, मैं रोज की तरह अपने घर से अस्पताल जाने के लिए निकली। साइकिल से अस्पताल जा रही थी। तभी मुझे सड़क पर 1 लड़का खड़ा दिखाई दिया। मैंने उन पर ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ गई। थोड़ा आगे बढ़ने पर पीछे से किसी ने मेरे सिर पर तेजी से पत्थर लगा। इसके चलते मैं वहीं पर गिर गई। सिर की चोट की वजह मेरी आंखें बंद होने लगीं।

इसके बाद मुझे 3 लड़के उठाकर ले गए और मेरा हाथ-पैर बांधने लगे। वो लोग आपस में कुछ बातें कर रहे थे। मुझे गालियां दे रहे थे और बदला लेने की बात कर रहे थे। मैं उनको पहचान न पाऊं, इसलिए मेरी आंख पर घूसे भी मारे। मेरे साथ उन लोगों ने गंदा काम किया। फिर मुझे रेलवे ट्रैक पर मरने के लिए फेंक कर चले गए। जब मुझे होश आया, तो मैंने एक युवक से मदद मांगी। मैं उन आरोपियों में से एक का चेहरा पहचानती हूं।

इस मामले में एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया, एक प्राइवेट अस्पताल में नर्स रेलवे ट्रैक के करीब बेहोशी की हालत में मिली। पीड़िता ने बताया कि उसे पीछे से पत्थर मारकर बेहोश किया गया। इससे ज्यादा कुछ नहीं पता। घायल को इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। स्वास्थ्य परीक्षण के ही बाद मामले का खुलासा होगा।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं। नर्स जिस रास्ते से गुजरी, वहां लगे सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। युवती के बयान भी ले लिए गए हैं। उसकी हालत गंभीर है। उसे बहुत ज्यादा ब्लीडिंग हुई है। सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जमीन छुड़वाने के लिए संत ने मांगी मदद

किराए पर दी थी लेकिन 4 साल से नहीं मिल रहा किराया

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट जिले के रौली कल्याणपुर गांव के एक संत ने डीएम कार्यालय पहुंचकर अपनी पैतृक 15 बीघा जमीन को मुक्त कराने के लिए न्याय की मांग की है। संत का कहना है कि उनकी जमीन को मील चलाने के लिए किराए पर दिया गया था, लेकिन पिछले चार साल से किराया नहीं मिला है। इस पर उन्होंने अतिरिक्त एसडीएम को शिकायत पत्र सौंपते हुए मदद की अपील की है।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने की चेतावनी भी दी: संत के मुताबिक, उन्होंने 2017 में अपनी जमीन आगरा के विनोद यादव को किराए पर दी थी। पहले तीन साल तक किराया नियमित मिला, लेकिन इसके बाद विनोद ने किराया देना बंद कर दिया और हर बार बहाना बनाता रहा। बाद में, विनोद ने यह मील चित्रकूट के बब्बू त्रिपाठी को सौंप दी, जो अब जमीन पर कब्जा किए हुए हैं। संत ने जब बब्बू से बात की तो उन्होंने कहा कि इस मामले में वे सिर्फ विनोद से ही बात करें। परेशान होकर संत ने अब कलेक्ट्रेट में आवेदन दिया है और मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने की चेतावनी भी दी है।

अब सलाखों के पीछे रहेंगे दरिंदे, गैंगरेप के सभी आरोपी न्यायालय में किए गए पेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रोंगटे खड़े कर देने वाली गैंग रेप की वारदात को दो या तीन नहीं बल्कि आठ आरोपियों ने मिलकर अंजाम दिया। दरिंदों के सामने बेबस एक लाचार नवविवाहित महिला उनके पांव पकड़कर मिन्नतें करती रही उनसे रहम की भीख मांगती रही लेकिन दरिंदों के सिर पर दरिंदगी का भूत इस कदर सवार हो चुका था कि उन्होंने दरिंदगी की सारी हदें ही पार कर दी फिलहाल इस रोंगटे खड़े कर देने वाली गैंग रेप की घटना में शामिल सभी आठ आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने मामले की पूरी कारवाई कर ली है और अब आरोपियों को न्यालय में पेश किया। पुलिस ने शुक्रवार की देर शाम तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी की थी जबकि आठवा आरोपी देर रात छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया है खास बात तो यह है कि गैंग रेप कांड का मुख्य मास्टर माइंड कोई और नहीं बल्कि सोशल मीडिया में अपनी खुद की वीडियो वायरल करने वाला शख्स ही निकला है। बता दें कि आरोपी ने शराब पार्टी के दौरान पिकनिक मनाने गए एक नौ विवाहित दंपति को दरिंदगी का शिकार बनाया था बता दें कि आरोपियो ने शरा पाटी के दौरान पिकनिक मनाने गए नौ दंपति को दरिंदगी का शिकार बनाया था आरोपियों ने पहले पति-पत्नी को पकड़ लिया और पति के साथ मारपीट की फिर कौंच की बोतल फोड़कर जान से मारने की धमकी देते हुए पति के सामने ही पत्नी को दरिंदगी का शिकार बनाया इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पीड़ित महिला आरोपियों के पांव पकड़कर उनसे मिन्नतें करती रही उनसे रहम की भीख मांगती रही लेकिन आरोपियों के सिर पर दरिंदगी का इस कदर भूत सवार था कि उन्हें जरा भी रहम नहीं आया फिलहाल इस मामले में पुलिस ने जिन आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है उनमें गैंगरेप के आरोपी रामकिशन कोरी - गुढ, रजनीश कोरी - गुढ, दीपक कोरी -गुढ, रावेश कुमार गुप्ता - गुढ, सुशील कोरी - रामपुर बघेलान, राजेंद्र कोरी - गुढ, गरूड कोरी - नईगढ़ी और लवकुश कोरी -नईगढ़ी शामिल हैं।पुलिस के मुताबिक घटना 21 अक्टूबर दोपहर 2 बजे की है। पीड़िता 22 अक्टूबर की दोपहर थाने पहुंची थी। पुलिस ने तत्काल केस दर्ज कर लिया। पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा, जहां गैंगरेप की पुष्टि हुई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि हम 21 अक्टूबर को दोपहर करीब 1 बजे पति के साथ बाइक से भैरव बाबा मंदिर दर्शन को गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का समापन

उज्जैन के कलाकार करेंगे मंचन, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री करेंगे शिरकत

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। 20 से 26 अक्टूबर तक चल रहे अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का आज समापन होगा। यह भव्य समारोह श्रीराघव प्रयाग घाट, नयागाँव चित्रकूट में आयोजित किया गया है, जिसमें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

उज्जैन के रंगरेज कला संस्थान के कलाकारों द्वारा प्रतिदिन शाम 7 बजे श्रीरामकथा के विभिन्न प्रसंगों का सजीव मंचन किया गया है। इस आयोजन में "श्रीरामराजा सरकार" प्रदर्शनी भी प्रमुख आकर्षण बनी हुई है, जो श्रीराम के छत्तीस गुणों को समर्पित है। बीते शुक्र वार को जटायु प्रसंग में डॉ. कृष्ण गोपाल मिश्र ने कहा, "जटायु ने बुद्धिमानी से अपने पंखों को सूर्य के ताप से बचाया और ऋषि चंद्रमा के आशीर्वाद से त्रेता युग में पुनः पंख प्राप्त किए।" उन्होंने जटायु के त्याग, मित्रता और ऋषियों की सेवा के महत्व को भी रेखांकित किया।

उत्सव के दौरान श्रीराम-हनुमान मिलन का भावुक प्रसंग दर्शकों को भावविभोर कर गया, जहां प्रभु श्रीराम ने हनुमानजी को गले लगाकर भक्ति का आदर्श प्रस्तुत किया। इसके अलावा, सुग्रीव से मित्रता, बालि वध और लंका दहन जैसे वीरतापूर्ण प्रसंग भी मंचित किए गए। समापन दिवस पर सेतुबंध, रामेश्वरम स्थापना, रावण-अंगद संवाद, कुंभकरण वध, मेघनाथ वध और श्रीराम के राज्याभिषेक जैसे महत्वपूर्ण प्रसंग प्रस्तुत किए जाएंगे, जो दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

लाखों की नशीली सिरप बरामद, दो गाड़ियों से कर रहे थे तस्करी

कफ सिरप की 3800 शीशी जब्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में पुलिस ने नए नशे के सामान के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आईजी महेंद्र सिंह सिकरवार ने नशे के खिलाफ एक जोनल टीम गठित की थी, जिसके साथ मिलकर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पुलिस ने अलग-अलग जगह पर कार्रवाई कर तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से नशीली सिरप सहित वाहन और अन्य सामान भी बरामद हुए हैं। जिनकी कुल कीमत 21 लाख रूपए बताई जा रही है।आईजी महेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर आरोपी सहित कोरेक्स पकड़ी है। मुखबिर की सूचना के बाद सोहागी पुलिस ने सोहागी टोल प्लाजा के आगे झिरिया में संयुक्त रेड कार्यवाही करते हुए सफेद रंग की कार को पकड़ा था। जिसमें 1680 कोरेक्स की शीशी मिली। कोई दस्तावेज नहीं पाए जाने पर आरोपी रोहित तिवारी की गाड़ी जब्त कर और माल जब्त कर गिरफ्तार कर लिया गया।कुल 3840 कफ सिरप की बोतलें जब्त की गईः वहीं, दूसरी कार्यवाही पुलिस ने बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में की है। सफेद रंग की बोलोरो गाड़ी में 2160 शीशी प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप मिली। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। आरोपी पंकज पटेल को गिरफ्तार करने सहित वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने कुल 3840 शीशी नशीली कफ सिरप जब्त की है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।